▪ RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 130 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 04-12-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 दिव्यांग लोगों के लिए 'बैरियर-फ्री इंडिया' बनाने में मदद करें : योगी आदित्यनाथ

6 पुतिन की भारत यात्राः नई विश्व राजनीति की आहट

7 यहां लोग बस आपको छोटा दिखाने की कोशिश करते हैं : ऋचा चड्ढा

## फर्स्ट टेक

### शिवगिरि मठ के लिए भूमि देने का सिद्धरमैया ने आश्वासन दिया

**मंगलुरु (कर्नाटक)/भाषा।** कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार शिवगिरि मठ की एक शाखा स्थापित करने के लिए मंगलुरु या उडुपी में पांच एकड़ भूमि आवंटित करेगी। मुख्यमंत्री ने यह आश्वासन, समाज सुधारक श्री नारायण गुरु की महात्मा गांधी से मुलाकात की शताब्दी के अवसर पर यहां मंगलुरु विश्वविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में दिया। सिद्दरामय्या ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को इस परियोजना के लिए भूमि चिन्हित करने का निर्देश दिया है। शिवगिरि मठ के सचिव शुभागनंदा स्वामी जी ने सरकार से सहयोग मांगते हुए एक ज्ञापन सौंपा और कहा कि नई शाखा इस समुदाय की अध्यात्मिक और शैक्षणिक आवश्यकताएं पूरी करेगी।

### मतदाताओं की मैपिंग में राजस्थान पूरे देश में सबसे आगे है

**जयपुर/भाषा।** मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर)2026 में राजस्थान देशभर में अग्रणी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह दावा किया। उन्होंने बताया कि राज्य में कुल पांच करोड़ 46 लाख 56,215 गणना प्रपत्रों में से पांच करोड़ 43 लाख से अधिक प्रपत्रों को सफलतापूर्वक ईसीआई-नेट पर अपलोड कर दिया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा कि इस तरह से प्रक्रिया में 99.5 प्रतिशत काम समय सीमा से पहले पूरा कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा राज्य की डिजिटल क्षमता और बेहतर समन्वय का प्रमाण है। महाजन का कहना है कि मतदाताओं की मैपिंग में राजस्थान 95 प्रतिशत से अधिक उपलब्धि के साथ पूरे देश में सबसे आगे है।

### 19 'चिंताजनक देशों' के लोगों के नागरिकता, ग्रीन कार्ड संबंधी आवेदनों पर ट्रंप ने रोक लगाई

**न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन ने 19 चिंताजनक देशों के लोगों के ग्रीन कार्ड, अमेरिकी नागरिकता और अन्य आव्रजन संबंधी आवेदनों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। यह निर्देश पिछले महीने एक अफगान नागरिक द्वारा नेशनल गार्ड के सैनिकों पर की गई गोलीबारी के बाद आव्रजन पर कड़ी कार्रवाई के बीच दिया गया। मंगलवार को नीति संबंधी एक ज्ञापन में अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) को निर्देश दिया गया कि वह शरण संबंधी सभी आवदेनों पर कार्रवाई पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाए।

04-12-2025 सूर्यास्त 5:41 बजे | 05-12-2025 सूर्योदय 6:17 बजे

| BSE | NSE |
|---|---|
| 85,106.81 | 25,986.00 |
| (-31.46) | (-46.20) |

| सोना | चांदी |
|---|---|
| 13,373 रु. | 196,000 रु. |
| (24 कैरेट) प्रति ग्राम | प्रति किलो |

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### घायल लोकतंत्र

गरिमा हुई सिरे से गायब,
हुई सियासत जाति धर्म की।
कुछ बोल रहे संसद में,
फिक्र नहीं अब श्रेष्ठ कर्म की।
अमर्यादित बोल रहे वे,
लुटिया डूबी लाज शर्म की।
नेताओं को नहीं है चिंता,
घायल होते लोक मर्म की।।

# रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करती है : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**तिरुवनंतपुरम/भाषा।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नौसेना स्वदेशी प्रौद्योगिकी का विकास जारी रखेगी और भारत को 'विकसित भारत' बनाने की दिशा में आगे ले जाएगी।

मुर्मू ने नौसेना की समुद्री शक्ति और युद्ध क्षमताओं के संचालनात्मक प्रदर्शन के एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में यह बात कही। उन्होंने भारत की समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने में नौसेना की युद्ध क्षमताओं और व्यावसायिकता की भी सराहना की।

भारतीय नौसेना ने केरल के तट पर शंगुमुघम समुद्र तट पर एक परिचालन प्रदर्शन के साथ अपनी समुद्री शक्ति और बहु-क्षेत्रीय युद्ध क्षमताओं का प्रदर्शन किया।

**मुझे विश्वास है कि भारतीय नौसेना स्वदेशी प्रौद्योगिकी का विकास जारी रखेगी और भारत को विकसित भारत बनाने की यात्रा में योगदान देगी।**

राष्ट्रपति मुर्मू नौसेना दिवस समारोह के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में शामिल हुईं। नौसेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत, एक पनडुब्बी, चार तीव्र हस्तक्षेप नौकाएं और 32 विमान - लड़ाकू जेट, निगरानी विमान और हेलीकॉप्टर - सहित 19 प्रमुख युद्धपोत इस शो का हिस्सा रहे। भारत ने अपने कुछ अत्याधुनिक नौसैनिक प्लेटफॉर्म प्रदर्शित किए, जिनमें स्वदेशी अग्रिमपंक्ति के फ्रिगेट आईएनएस उदयगिरि और कुछ प्रमुख विमान शामिल थे।

मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा कि आत्मनिर्भरता राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करती है। राष्ट्रपति ने कहा, '' मुझे विश्वास है कि भारतीय नौसेना स्वदेशी प्रौद्योगिकी का विकास जारी रखेगी और भारत को विकसित भारत बनाने की यात्रा में योगदान देगी।'' उन्होंने नौसेना बल और सभी हितधारकों से समुद्र की सुरक्षा के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया।

मुर्मू ने कहा, ''हमें मिलकर अपने समुद्रों की रक्षा करने, जहाज निर्माताओं को सशक्त बनाने, नाविकों का समर्थन करने और उस समुद्री भावना को पोषित करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करनी चाहिए, जो सदैव हमारी महान सभ्यता को परिभाषित करती रही है। ''

## उद्घाटन

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को मंगलुरु में कोनाजे क्लॉक टावर सर्कल का उद्घाटन किया।

# चालक दल की किल्लत से इंडिगो की 100 से अधिक उड़ानें रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



**मुंबई/नई दिल्ली/भाषा।** देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो को गंभीर परिचालन संकट की वजह से बुधवार को विभिन्न हवाईअड्डों पर 100 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ीं और कई सेवाएं काफी देरी से संचालित हुईं।

एयरलाइन ने अपने संचालन को सामान्य करने के लिए अगले 48 घंटों तक उड़ानों के 'संतुलित समायोजन' को लागू करने की घोषणा की। इसके तहत उड़ानों की संख्या घटाई जाएगी या उनके निर्धारित समय में बदलाव किया जाएगा।

सूत्रों ने कहा कि परिचालन संकट की वजह से इंडिगो की 100 से अधिक उड़ानें रद्द की गईं। बेंगलुरु हवाई अड्डे पर 42, दिल्ली हवाई अड्डे पर 38, मुंबई हवाई अड्डे पर 33 और हैदराबाद हवाई अड्डे पर 19 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं।

इसके अलावा देशभर में इंडिगो की कई उड़ानें कई-कई घंटों की देरी से रवाना हुईं जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

इंडिगो ने इस पर जारी बयान में कहा कि पिछले दो दिन से उसके नेटवर्क में 'अप्रत्याशित परिचालन चुनौतियां' सामने आई हैं। इनमें तकनीकी दिक्कतें, सर्दियों के कारण समय-सारिणी में बदलाव, खराब मौसम, हवाई परिवहन में भीड़भाड़ और चालक दल की तैनाती के नए नियम (एफडीटीएल) शामिल हैं। एफडीटीएल के नियम पायलटों और चालक दल के काम के घंटे और विश्राम की अवधि तय करते हैं, ताकि उनकी सुरक्षा और थकान प्रबंधन किया जा सके।

नए नियम मार्च, 2024 से ही लागू होने वाले थे लेकिन एयरलाइंस ने अतिरिक्त चालक दल की जरूरत का हवाला देते हुए चरणबद्ध क्रियान्वयन की मांग की थी। दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद डीजीसीए ने इन्हें जुलाई और फिर नवंबर से लागू किया।

एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा से कहा, दूसरे चरण के नियम लागू होने के बाद से ही इंडिगो को चालक दल की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। इसकी वजह से तमाम हवाई अड्डों पर एयरलाइन की उड़ानें रद्द हुई हैं और अत्यधिक देरी से संचालित हो रही हैं।

### मुठभेड़ में 12 नक्सली ढेर, तीन जवानों की भी मृत्यु

**बीजापुर/भाषा।** छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बुधवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 12 नक्सलियों को मार गिराया तथा इस घटना में तीन जवानों की भी मृत्यु हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीजापुरदंतेवाड़ा जिले की सीमा से लगे पश्चिम बस्तर डिवीजन इलाके में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में 12 नक्सली मारे गए तथा तीन जवानों की भी मृत्यु हो गई एवं दो जवान घायल हो गए। जिले के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने बताया कि बीजापुरदंतेवाड़ा जिले की सीमा से लगे पश्चिम बस्तर डिवीजन इलाके में आज सुबह नौ बजे जिला रिजर्व गार्ड दंतेवाड़ाबीजापुर, एसटीएफ और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कोबरा बटालियन को गश्त पर रवाना किया गया था। यादव ने बताया कि अभियान के दौरान सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच लगातार रुक-रुक कर गोलीबारी चलती रही तथा क्षेत्र में सुरक्षाबलों की निर्णायक एवं आक्रामक कार्रवाई जारी है।

# प्रधानमंत्री ने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने पर विचार करने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को देश के सभी किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने पर विचार करने का आह्वान किया और कहा कि इससे रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर बढ़ती निर्भरता जैसी कृषि से संबंधित कई चुनौतियों का समाधान हो सकता है। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों से मिट्टी की उर्वरता, नमी और दीर्घकालिक स्थिरता समेत कई पहलू प्रभावित होते हैं।

मोदी ने 'लिंक्डइन' पर एक पोस्ट में कहा, मैंने किसानों को 'वन एकड़, वन सीजन' से शुरुआत करने के लिए प्रोत्साहित किया। छोटे भूखंड से मिले परिणाम भी आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं और व्यापक स्तर पर अपनाने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। मोदी ने लिखा कि उन्होंने 19 नवंबर को कोयंबटूर में दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती सम्मेलन 2025 में भाग लिया, जहां उन्हें किसानों के एक समूह ने आमंत्रित किया था।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह यह देखकर अभिभूत हो गए कि विविध पृष्ठभूमियों के लोग जैसे वैज्ञानिक, एफपीओ नेता, स्नातक की पढ़ाई करने वाले, पारंपरिक किसान और विशेष रूप से उच्च वेतन वाली कॉर्पोरेट नौकरियां छोड़ देने वाले लोग अपनी जड़ों की ओर लौटकर प्राकृतिक खेती को अपनाने का निर्णय ले चुके हैं। उन्होंने कहा, प्राकृतिक खेती, जैसा कि हम सभी जानते हैं, भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों और आधुनिक पारिस्थितिक सिद्धांतों से प्रेरित है, और बिना सिंथेटिक रसायनों के फसल उगाने पर केंद्रित है। यह विविधीकृत खेतों को बढ़ावा देती है, जहां पौधे, पेड़ और पशुधन प्राकृतिक जैव विविधता में मददगार साबित होते हैं। यह पद्धति बाहरी संसाधनों पर निर्भर रहने के बजाय अलग-अलग तरीकों से मिट्टी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है। उन्होंने कहा, कोयंबटूर में यह सम्मेलन हमेशा मेरी स्मृतियों में रहेगा! इसने मानसिकता, कल्पना और आत्मविश्वास में बदलाव को दर्शाया है, जिसके साथ भारत के किसान और कृषि-उद्यमी कृषि के भविष्य को आकार दे रहे हैं।

मोदी ने उल्लेख किया कि कार्यक्रम में तमिलनाडु के किसानों के साथ संवाद हुआ, जिसमें उन्होंने प्राकृतिक खेती में अपने प्रयासों को प्रदर्शित किया और मैं आश्चर्यचकित रह गया! प्रधानमंत्री ने कहा, मैंने ऐसे लोगों से मुलाकात की जिनकी जीवन यात्राएं और कुछ नया करने की प्रतिबद्धता उल्लेखनीय थीं।

व्यक्तिगत उद्यमियों के उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि एक किसान लगभग 10 एकड़ में केला, नारियल, पपीता, काली मिर्च और हल्दी की खेती कर रहा है।

## विसर्जन कार्यक्रम

बुधवार को कोप्पल जिले के अंजनाद्री बेट्टा में भक्तों ने हनुमान माला विसर्जन कार्यक्रम में भाग लिया।

# प्रतिभा प्रवाह में बाधाएं खड़ी करने वाले देश 'कुल मिलाकर नुकसान में' रहेंगे : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को कहा कि सीमाओं के पार पेशेवरों के प्रवाह में बहुत अधिक बाधाएं पैदा करने वाले देशों को कुल मिलाकर नुकसान होगा और भारत को, अन्य देशों को यह समझाने की जरूरत है कि प्रतिभा का इस्तेमाल पारस्परिक लाभ के लिए है।

गतिशीलता पर एक सम्मेलन में आयोजित संवादात्मक सत्र के दौरान दिए गए उनके बयान ट्रंप प्रशासन की आव्रजन पर सख्ती के अनुरूप अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा पर नया शुल्क लगाने के फैसले की पृष्ठभूमि में आए हैं।

जयशंकर ने कहा, अगर वे प्रतिभा के प्रवाह में बहुत ज्यादा रुकावटें खड़ी करते हैं, तो उन्हें कुल मिलाकर नुकसान होगा। खासकर अगर आप उन्नत विनिर्माण के युग में प्रवेश कर रहे हैं, तो आपको और ज्यादा प्रतिभा की जरूरत होगी। वह एच-1बी वीजा कार्यक्रम पर चिंताओं सहित आव्रजन से जुड़े व्यापक मुद्दों पर पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।

**भारत को अन्य देशों को यह समझाने की जरूरत है कि सीमा पार प्रतिभा का इस्तेमाल हमारे पारस्परिक लाभ के लिए है।**

किसी देश का नाम लिए बगैर जयशंकर ने कहा कि भारत को अन्य देशों को यह समझाने की जरूरत है कि सीमा पार प्रतिभा का इस्तेमाल हमारे पारस्परिक लाभ के लिए है। उन्होंने कहा, अक्सर उद्यमिता और प्रौद्योगिकी के अग्रणी लोग ही गतिशीलता के पक्ष में दलील देते हैं। इसके विपरीत, वे लोग जिनके पास कोई राजनीतिक आधार या संबोधित करने के लिए एक निश्चित मतदाता वर्ग होता है, वे इसका विरोध कर सकते हैं। हालांकि, अंततः वे किसी न किसी प्रकार के समझौते पर पहुंच ही जाएंगे।

जयशंकर ने कुछ देशों में प्रतिभाओं की गतिशीलता के लिए प्रतिरोध को कुछ कंपनियों द्वारा चीन से अपने विनिर्माण केंद्र स्थानांतरित करने के प्रयासों से भी जोड़ा।

एच-1बी वीजा कार्यक्रम के तहत, कंपनियां अमेरिका में काम करने के लिए विशेष कौशल वाले विदेशी कर्मचारियों की भर्ती करती हैं, शुरुआत में यह अवधि तीन साल के लिए होती है, जिसे तीन और वर्षों के लिए बढ़ाया जा सकता है।

अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के अनुसार, हाल के वर्षों में स्वीकृत सभी एच-1बी आवेदनों में से लगभग 71 प्रतिशत आवेदन भारतीयों के थे।

जयशंकर ने कहा, यदि कई विकसित देशों में नौकरियों पर दबाव है, तो उसका कारण यह नहीं है कि उन क्षेत्रों में लोग बाहर से आए। असल वजह यह है कि उन्होंने अपनी विनिर्माण गतिविधियां बाहर जाने दीं - और आप जानते हैं, कहां। उन्होंने कहा, यदि लोगों के लिए यात्रा करना कठिन हो जाता है, तो भी काम रुकने वाला नहीं है।

# सेना प्रमुख मुनीर अफगानिस्तान के साथ जानबूझकर 'तनाव बढ़ा रहे' : इमरान खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लाहौर/भाषा।** जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की नीतियों को देश के लिए ''विनाशकारी'' बताते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि वह (मुनीर) अफगानिस्तान के साथ जानबूझकर ''तनाव बढ़ा'' रहे हैं।

पूर्व क्रिकेटर इमरान (73) ने सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट' में यह टिप्पणी की। इससे एक दिन पहले ही उनकी बहन डॉ. उज्मा खान ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार से ''विशेष अनुमति'' मिलने के बाद रावलपिंडी की अदियाला जेल में एक महीने से अधिक समय बाद उनसे मुलाकात की थी।

इमरान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''असीम मुनीर की नीतियां पाकिस्तान के लिए विनाशकारी हैं। उनकी नीतियों के कारण आतंकवाद नियंत्रण से बाहर हो गया है, जिससे मुझे बहुत तकलीफ होती है।''

इमरान ने लिखा, ''असीम मुनीर को पाकिस्तान के राष्ट्रीय हितों की कोई चिंता नहीं है। वह यह सब केवल पश्चिमी ताकतों को खुश करने के लिए कर रहे हैं। उन्होंने अफगानिस्तान के साथ जानबूझकर तनाव बढ़ाया, ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक तथाकथित 'मुजाहिद' (इस्लामी लड़ाके) के रूप में देखा जा सके।''

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक ने कहा कि वह देश में ''अपने ही लोगों के खिलाफ ड्रोन हमलों और सैन्य अभियानों'' का विरोध करते हैं, क्योंकि उनके अनुसार इससे आतंकवाद को और बढ़ावा मिलेगा।

इमरान ने कहा, ''मुनीर ने पहले अफगानों को धमकाया, फिर पाकिस्तान से शरणार्थियों को बाहर निकाला और ड्रोन हमले किए, जिनके परिणाम अब हम बढ़ते आतंकवाद के रूप में भुगत रहे हैं।''

पीटीआई प्रमुख ने मुनीर को ''मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्ति'' बताते हुए आरोप लगाया कि उनके ''नैतिक दिवालियापन के कारण पाकिस्तान में संविधान और कानून का शासन पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है।''

# हवाई अड्डों पर 'चेक-इन' प्रणालियों में दिक्कत आयी, उड़ानों में विलंब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** तकनीकी खराबी के कारण बुधवार सुबह देश के विभिन्न हवाई अड्डों पर 'चेक-इन' प्रणालियों में समस्या आई, जिसके कारण कुछ उड़ानों में देरी हुई। एक सूत्र ने यह जानकारी दी।

हालांकि, वाराणसी हवाई अड्डे पर यात्रियों के लिए जारी एक संदेश में माइक्रोसॉफ्ट विंडोज की सेवा बाधित होने की सूचना दी गई थी, लेकिन टेक कंपनी 'माइक्रोसॉफ्ट' ने इस तरह की किसी भी समस्या से इनकार किया और इसे तथ्यात्मक रूप से गलत करार दिया। वाराणसी हवाई अड्डे पर यात्रियों के लिए जारी संदेश में कहा गया था, ''माइक्रोसॉफ्ट विंडोज ने वैश्विक स्तर पर सेवा बाधित होने की सूचना दी है। हवाई अड्डों पर आईटी सेवाएं-चेक-इन प्रणालियां प्रभावित हुई हैं।'' संदेश के अनुसार, विमानन कंपनियों ने 'मैन्युअल चेक-इन' और 'बोर्डिंग' प्रक्रिया लागू कर दी। इसमें कहा गया है कि कम से कम चार विमानन कंपनी इंडिगो, स्पाइसजेट, अकासा एयर और एअर इंडिया एक्सप्रेस प्रभावित हुई हैं। संपर्क करने पर माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि विंडोज में कोई समस्या नहीं है। माइक्रोसॉफ्ट ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, यह तथ्यात्मक रूप से गलत है। विंडोज पर किसी भी प्रकार की रुकावट की कोई सूचना नहीं है। एयरलाइंस की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. (डायल) ने सुबह सात बजकर 40 मिनट पर 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कुछ घरेलू एयरलाइंस वर्तमान में परिचालन चुनौतियों का सामना कर रही हैं, जिससे देरी या विमान सेवाओं के समय में बदलाव जैसी चुनौतियां सामने आ सकती हैं।''

# तंबाकू उत्पादों पर समान कर बोझ वाले केंद्रीय उत्पाद शुल्क विधेयक को लोकसभा की मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** लोकसभा ने बुधवार को केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 को पारित कर दिया, जिसमें तंबाकू उत्पादों पर जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर समाप्त होने के बाद समान कर बोझ रखने के लिए उत्पाद शुल्क लगाने का प्रावधान है। उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 में संशोधन वाले विधेयक को चर्चा और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।

वित्त मंत्री ने कहा कि तंबाकू और इसके उत्पादों पर उत्पाद शुल्क लगाने से जीएसटी क्षतिपूर्ति कर समाप्त करने के बाद भी कर का बोझ समान रहेगा। उन्होंने कहा कि चूंकि जीएसटी कानून में अधिकतम कर दर 40 प्रतिशत तय है, इसलिए यदि जीएसटी उपकर हटा दिया जाता है और उत्पाद शुल्क नहीं लगाया जाता है तो तंबाकू पर कुल कर बोझ वर्तमान स्तर से कम हो जाएगा। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करने के लिए कि कर बोझ (इंसिडेंस) जीएसटी मुआवजा उपकर के दौरान जितना था, उससे कम न हो, हम यह कर लेकर आ रहे हैं। एक तरह से हम कह रहे हैं कि कर बोझ कम होने से सिगरेट सस्ती नहीं होनी चाहिए।''

विधेयक में प्रस्ताव है कि तंबाकू उत्पादों जैसे सिगरेट, चबाने वाला तंबाकू, सिगार, हुक्का, ज़र्दा और सुगंधित तंबाकू पर लगाए जा रहे जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर को हटाकर उसकी जगह उत्पाद शुल्क लगाया जाए। वर्तमान में तंबाकू पर 28 प्रतिशत जीएसटी के साथ अलग-अलग दरों पर उपकर लगता है। विधेयक में अपरिष्कृत (कच्चे) तंबाकू पर 6070 प्रतिशत उत्पाद शुल्क लगाने का प्रस्ताव है।

सीतारमण ने कहा कि यह विधेयक इसलिए आवश्यक है क्योंकि कोविड के दौरान राज्यों के राजस्व घाटे को पूरा करने के लिए केंद्र द्वारा लिया गया ऋण कुछ ही हफ्तों में चुका दिया जाएगा, जिसके बाद मुआवजा उपकर लेना रोक दिया जाएगा। उन्होंने कहा, शायद अगले कुछ ही हफ्तों में यह पूरा कर्ज चुकता हो जाएगा। इसलिए केंद्र सुनिश्चित करना चाहता है कि उत्पाद शुल्क फिर से हमारे पास आ जाए ताकि हम यह ड्यूटी लगा सकें। एक जुलाई, 2017 को जीएसटी लागू करते समय राज्यों को जीएसटी के चलते हुए राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए एक मुआवजा उपकर तंत्र स्थापित किया गया था, जिसकी अवधि प्रारंभ में 5 वर्ष (30 जून 2022 तक) निर्धारित थी।

बाद में मुआवजा उपकर की वसूली की अवधि 4 वर्ष बढ़ाकर 31 मार्च 2026 कर दी गई, और इस अवधि में संग्रहित राशि का उपयोग कोविड काल में राज्यों की जीएसटी कमी की भरपाई के लिए केंद्र द्वारा लिए गए 2.69 लाख करोड़ रुपए के ऋण के पुनर्भुगतान में किया जा रहा है। उन्होंने विधेयक पर कुछ विपक्षी सदस्यों की चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि यह नया कानून नहीं है, और कोई अतिरिक्त कर भी नहीं है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कुछ सदस्यों का मानना है कि यह उपकर है जिसका लाभ केंद्र को मिलेगा, जबकि ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि यह उपकर नहीं है, बल्कि उत्पाद शुल्क है जो डिविसिबल (विभाज्य) पूल में जाएगा।

## कांग्रेस हिंदुओं के खिलाफ नफरत फैला रही, भाजपा ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री पर निशाना साधा

**नई दिल्ली/भाषा।** तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के हिंदू देवी-देवताओं पर दिए गए बयान की कड़ी आलोचना करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को कांग्रेस पर मुस्लिम लीग जैसी सोच के साथ हिंदुओं के खिलाफ नफरत फैलाने का आरोप लगाया।

तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस की मंगलवार को हुई कार्यकारिणी की बैठक में रेड्डी ने कहा था कि पार्टी सभी को साथ लेकर चलती है, और अलग-अलग विचार रखने वाले लोग पार्टी में शामिल हैं। उन्होंने इसकी तुलना हिंदू-धर्म से करते हुए कहा था कि श्रद्धालु कई देवी-देवताओं की पूजा करते हैं। उन्होंने कहा था, हिंदुओं के कितने देवता हैं, तीन करोड़। अविवाहितों के लिए हनुमान हैं। उन लोगों के लिए एक अन्य देवता हैं, जो दो बार शादी करते हैं ।'' भाजपा के राज्यसभा सदस्य और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने रेड्डी के बयान को हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करार दिया और कांग्रेस पर मुस्लिम लीग-माओवादी की विचारधारा के साथ काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, कांग्रेस ने 'अर्बन नक्सल' मानसिकता के साथ पूरे संवैधानिक ढांचे को बदनाम करने की हद पार कर दी है और हिंदू धर्म के प्रति नफरत फैलाना मुस्लिम लीग का एजेंडा है।

## कुंभ पेड़ विवादः फडणवीस ने कहा - कुछ लोग राजनीतिक कारणों से पर्यावरणविद् बन गए हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि कुछ लोग नासिक कुंभ मेले में बाधा उत्पन्न करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग राजनीतिक कारणों से अचानक पर्यावरणवादी बन गए हैं।

दक्षिण मुंबई में ऑरेंज गेट-मरीन ड्राइव सुरंग परियोजना के लिए सुरंग खोदने वाली मशीन को हरी झंडी दिखाने के बाद फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि पर्यावरण को कोई नुकसान न पहुंचे।

अक्टूबर 2026 में होने वाले कुंभ मेले से पहले 'साधु ग्राम' बनाने के लिए तपोवन क्षेत्र में 1700 से अधिक पेड़ों को काटने की नासिक नगर निकाय की कथित योजना का नागरिक समाज के सदस्य विरोध कर रहे हैं।

सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के सदस्य, अभिनेता सयाजी शिंदे ने भी कहा है कि अगर सरकार पेड़ों को हटाने पर अड़ी रही तो वह उसका विरोध करेंगे।

फडणवीस ने कहा, ''हम निश्चित रूप से ऐसा समाधान निकालेंगे जिससे पर्यावरण को कोई नुकसान न हो। लेकिन, कुछ लोगों को लगता है कि वे कुंभ मेले के कार्यों में बाधाएं खड़ी कर सकते हैं। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि वे सफल नहीं होंगे।''

किसी का नाम लिए बिना, फडणवीस ने कहा कि कुछ लोग राजनीतिक कारणों से पर्यावरणवादी बन गए हैं। उन्होंने कहा, ''कुछ लोगों ने बेवजह इस मुद्दे को तूल देना शुरू कर दिया है। कुछ लोग अचानक पर्यावरणवादी बन गए हैं। मैं सच्चे पर्यावरण प्रेमियों का पूरा सम्मान करता हूं, लेकिन कुछ लोग राजनीतिक कारणों से पर्यावरणवादी बन गए हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका और उपमुख्यमंत्रियों अजित पवार और एकनाथ शिंदे का मानना है कि सबसे पहले पेड़ों का संरक्षण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अगर जमीन साफ करने की जरूरत है, तो पेड़ों को दूसरी जगह लगाया जाना चाहिए।

## मालीवाल का दावा : पंजाब बुरी तरह नशे की चपेट में, नशीले पदार्थों की आपूर्ति करा रहे नशा मुक्ति केंद्र

**नई दिल्ली/भाषा।** राज्यसभा में बुधवार को आम आदमी पार्टी की स्वाति मालीवाल ने अपनी ही पार्टी के शासन वाले राज्य पंजाब के 'बुरी तरह से' नशे की चपेट में होने तथा राज्य के नशा मुक्ति केंद्रों द्वारा मादक पदार्थों की आपूर्ति कराये जाने का दावा किया। मालीवाल ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस वर्ष पंजाब में 22 नशा मुक्ति केंद्र पर छापे मारे हैं। उन्होंने कहा कि इन छापों में पता चला कि ये नशा मुक्ति केंद्र लोगों का नशा छुड़वाने का काम नहीं कर रहे थे बल्कि उल्टा नशीले पदार्थों की आपूर्ति करवा रहे थे। उन्होंने कहा कि पंजाब की सरकार नशा मुक्ति के लिए बड़े-बड़े होर्डिंग एवं विज्ञापन लगाकर करोड़ों रुपए खर्च कर रही है पर आज भी राज्य 'ड्रग्स' की चपेट में है। मालीवाल ने पूरक प्रश्न पूछा कि पंजाब सरकार द्वारा जिस धन को नशा मुक्ति के लिए खर्च किए जाने की जरूरत है, क्या केंद्र सरकार कुछ ऐसा कर सकती है कि यह धन राज्य सरकार नशा मुक्ति के लिए ही खर्च करे तथा नशीले पदार्थों की चपेट में बुरी तरह से आये पंजाब में यह समस्या दूर की जा सके।

## हिंद महासागर के संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा पर सहयोग करेंगे भारत और यूरोपीय संघ

**नई दिल्ली/भाषा।** भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के वरिष्ठ अधिकारी हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देने पर व्यापक रूप से ध्यान केंद्रित करने के तहत समुद्र के नीचे बिछाए गए केबलों की सुरक्षा पर विचार-विमर्श करेंगे। भारत और यूरोपीय संघ के वार्षिक शिखर सम्मेलन से कुछ सप्ताह पहले इस बैठक को काफी अहम माना जा रहा है।

भारत और 27 देशों के यूरोपीय संघ के बीच शिखर सम्मेलन का अगला संस्करण 27 जनवरी, 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाला है। इस शिखर सम्मेलन में महत्वपूर्ण समुद्री अवसंरचना की सुरक्षा में संभावित सहयोग पर भी चर्चा होने की संभावना है। भारत, यूरोपीय संघ और हिंद महासागर के देशों के लगभग 70 वरिष्ठ सैन्यकर्मी और अधिकारी शुक्रवार को व्यापक विचार-विमर्श करेंगे। इस बैठक का उद्देश्य हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री केबलों पर ध्यान केंद्रित करते हुए महत्वपूर्ण पनडुब्बी बुनियादी ढांचे को सुरक्षित करने के तरीकों पर चर्चा करना है।

## इंदौर में महिला ने चार बच्चों का जन्म दिया, शिशुओं में एक लड़का और तीन लड़कियां

**इंदौर (मप्र)/भाषा।** इंदौर में एक दुर्लभ मामले में 29 वर्षीय एक महिला ने एक परमार्थिक अस्पताल में बुधवार को तीन लड़कियों समेत चार बच्चों को जन्म दिया। अस्पताल के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। 'श्री इंदौर क्लॉथ मार्केट हॉस्पिटल' के चिकित्सकीय प्रशासक डॉ. आदित्य सोमानी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि 29 वर्षीय इस महिला ने उनके अस्पताल में 'सिजेरियन ऑपरेशन' के जरिये चार बच्चों को जन्म दिया जिनमें एक लड़का और तीन लड़कियां हैं। उन्होंने बताया, ''जच्चा और चारों बच्चों की सलामती के लिए हमने सिजेरियन ऑपरेशन का फैसला किया। यह चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन घंटे भर चला।'' सोमानी ने बताया कि नवजात शिशुओं का वजन 800 ग्राम से 1.50 किलोग्राम के बीच है। उन्होंने बताया, ''हमारे अस्पताल में यह पहला मौका है, जब किसी महिला ने एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया हो। जच्चा और चारों बच्चे स्वस्थ हैं।

## सरकार रुपए के गिरते स्तर को लेकर चिंतित नहीं, अगले साल स्थिति सुधरेगी : सीईए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए का स्तर 90 के पार होने के बावजूद सरकार इस गिरावट को लेकर चिंतित नहीं है। इसके साथ ही नागेश्वरन ने कहा कि रुपए में गिरावट मुद्रास्फीति या निर्यात पर प्रतिकूल असर नहीं डाल रही। उन्होंने उद्योग मंडल सीआईआई के एक कार्यक्रम में संवाददाताओं से कहा कि रुपया कमजोर होने से निर्यात को समर्थन मिलता है, लेकिन आयात महंगा हो जाता है। लागत बढ़ाने से पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स और आभूषण जैसे आयात-निर्भर क्षेत्रों में कीमतों पर दबाव बन सकता है।

हालांकि, सीईए ने उम्मीद जताई कि डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति में अगले साल सुधार आएगा। बुधवार को रुपया पहली बार 90 प्रति अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार करते हुए 90.21 (अस्थायी) के भाव पर बंद हुआ। इस गिरावट के पीछे विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें मुख्य कारण रहीं। नागेश्वरन ने भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को लेकर सकारात्मक संकेत देते हुए कहा कि इस साल भारत का एफडीआई आंकड़ा 100 अरब डॉलर से अधिक रह सकता है। चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में कुल एफडीआई लगभग 50 अरब डॉलर रहा है जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 42.3 अरब डॉलर था। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का कुल एफडीआई लगभग 81.04 अरब डॉलर रहा, जो सालाना आधार पर 14 प्रतिशत अधिक था। नागेश्वरन ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद एफडीआई का स्वरूप बदल गया है।

## संचार साथी ऐप पेगासस का ही दूसरा संस्करण, सरकार कर रही लोगों की जासूसी: उद्धव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बुधवार को दावा किया कि संचार साथी ऐप 'पेगासस स्पाइवेयर' का ही दूसरा संस्करण है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर आरोप लगाया कि वह उन लोगों की जासूसी करने की कोशिश कर रही है जिन्होंने उसे वोट देकर सत्ता में पहुंचाया है।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों पर निगरानी रखने के बजाय सरकार को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि इस वर्ष अप्रैल में पहलगाम में हमला कैसे हुआ, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई और आतंकवादी भारत में कैसे घुसे। संचार मंत्रालय के 28 नवंबर के आदेश में सभी मोबाइल फोन निर्माताओं को भारत में बेचे जाने वाले सभी मोबाइल फोन में संचार साथी ऐप को पहले से 'इंस्टॉल' करना अनिवार्य कर दिया गया है। सॉफ्टवेयर अपडेट के माध्यम से मौजूदा उपकरणों में भी संचार साथी ऐप को पहले से इंस्टॉल करना अनिवार्य कर दिया है। आदेश के बाद विवाद शुरू हो गया है। ठाकरे ने मुंबई में आवास 'मातोश्री' पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दावा किया, आपने पेगासस (स्पाइवेयर) के बारे में सुना होगा।

## जियो ने अक्टूबर में सबसे अधिक 39 लाख मोबाइल ग्राहक जोड़े

**नई दिल्ली/भाषा।** भारत में अक्टूबर में सक्रिय मोबाइल ग्राहकों की संख्या में 57 लाख की बढ़ोतरी हुई। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के हालिया आंकड़ों के आधार पर विभिन्न विश्लेषकों की रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान जियो ने 39 लाख नए ग्राहक जोड़कर सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। जेफरीज की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 कैलेंडर वर्ष में मजबूत ग्राहक वृद्धि और मोबाइल डेटा का बढ़ता उपयोग औसत प्रति कमाई (एआरपीयू) के लिए सकारात्मक संकेत है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अक्टूबर में पूरे दूरसंचार क्षेत्र में सक्रिय ग्राहकों की संख्या 57 लाख बढ़कर 109.4 करोड़ तक पहुंच गई, जो पिछले पांच महीनों में सबसे बड़ी मासिक बढ़ोतरी है। अक्टूबर में जियो के सक्रिय ग्राहकों की संख्या 39 लाख बढ़कर 47.6 करोड़ हो गई, जबकि भारती एयरटेल के ग्राहकों संख्या लगभग 28 लाख बढ़कर 39.2 करोड़ पर पहुंच गई। वहीं वोडाफोन आइडिया के सक्रिय ग्राहकों की संख्या में चार लाख की कमी आई।

## भारत का अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात अक्टूबर में तीन गुना होकर 1.47 अरब डॉलर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** वैश्विक चुनौतियों के बावजूद अक्टूबर में भारत का अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात सालाना आधार पर तीन गुना से अधिक होकर 1.47 अरब डॉलर हो गया। सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। पिछले साल अक्टूबर में स्मार्टफोन का निर्यात 46 करोड़ डॉलर था।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस वित्त वर्ष में अप्रैल-अक्टूबर अवधि के दौरान अमेरिका को स्मार्टफोन का निर्यात बढ़कर 10.78 अमेरिकी डॉलर हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 3.60 अरब डॉलर था। मासिक आधार पर निर्यात में गिरावट दर्ज की जा रही थी, लेकिन अब इसमें सुधार हुआ है। अप्रैल में यह 1.65 अरब डॉलर और मई में 2.29 अरब अमेरिकी डॉलर था। लेकिन, जून में निर्यात गिरकर 1.99 अरब अमेरिकी डॉलर, जुलाई में 1.52 अरब डॉलर, अगस्त में 96 करोड़ डॉलर और सितंबर में 88 करोड़ डॉलर रह गया। एक अधिकारी ने कहा कि शुल्क संबंधी अनिश्चितताओं के कारण मांग और मूल्य निर्धारण पर असर पड़ने की आशंका के बावजूद यह गति कायम रही।

आंकड़ों के अनुसार, 2025 की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में भारत का विश्वव्यापी स्मार्टफोन निर्यात 10.68 अरब डॉलर से बढ़कर 15.95 अरब डॉलर हो गया।

## भाजपा का 'अच्छे दिन' का वादा भारतीयों के लिए नहीं : आदित्य ठाकरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (उबाठा) के नेता आदित्य ठाकरे ने रुपए के अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर को पार करने के बाद केंद्र की आलोचना करते हुए बुधवार को कहा कि भारतीय मुद्रा की स्थिति दुनिया की कुछ अन्य मुद्राओं के मुकाबले काफी खराब है।

ठाकरे ने साथ ही कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का ''अच्छे दिन'' का वादा शायद भारतीयों के लिए नहीं था। विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच रुपया बुधवार को पहली बार 90 प्रति डॉलर के नीचे चला गया।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 25 पैसे टूटकर 90.21 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ जो इसका अब तक का सबसे निचला स्तर है। आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि रुपए के 90 के स्तर को पार करने के बाद भी केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से इस पर कोई टिप्पणी नहीं आई। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री ठाकरे ने कहा, ''भाजपा ने 2014 में अच्छे दिन का वादा किया था। मुझे लगता है कि यह दूसरों के लिए था, भारतीयों के लिए नहीं।''

## सरकार ने आरक्षण नीति को सही तरीके से लागू कर चुनावी वादा पूरा किया : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**जम्मू/भाषा।** जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार ने सभी वर्गों के लिए न्याय सुनिश्चित करने और एक प्रमुख चुनावी वादे को पूरा करने हेतु आरक्षण नीति को 'सर्वोत्तम संभव तरीके' से तर्कसंगत बनाया है।

उन्होंने हालांकि इस संबंध में विवरण देने से इनकार कर दिया। उमर ने कहा कि प्रस्ताव को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के पास उनकी मंजूरी के लिए भेज दिया गया है और जब तक फाइल को उनकी सहमति नहीं मिल जाती, तब तक इस पर आगे टिप्पणी करना अनुचित होगा। मुख्यमंत्री ने 'दरबार मूव' की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जम्मू में पहली कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करने के बाद संवाददाताओं से यह बात कही। 'दरबार मूव' एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके तहत सरकार छह महीने तक ग्रीष्मकाल में श्रीनगर में तथा शीतकाल में जम्मू में कार्य करती है। पिछले पांच वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा आरक्षित श्रेणी में और अधिक समुदायों को जोड़ने तथा केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) में कोटा का विस्तार करने के निर्णय के बाद जम्मू-कश्मीर में आरक्षण एक प्रमुख मुद्दा बन गया है। केंद्र शासित प्रदेश में आरक्षण कोटा बढ़ाकर 70 प्रतिशत करने के केंद्र के कदम पर आपत्तियां बढ़ रही हैं। पिछले वर्ष की घोषणाओं के बाद पहाड़ी और अन्य जनजातियों के लिए अलग से 10 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का कोटा बढ़ाकर आठ प्रतिशत कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आरक्षण नीति कैबिनेट बैठक के एजेंडे में शामिल 22 मुद्दों में से एक है।

उमर अब्दुल्ला ने कहा, ''हमने द्वारका (दिल्ली) में नए 'कश्मीर हाउस' के निर्माण, सड़क एवं भवन विभाग में मुख्य अभियंताओं के प्रस्ताव जैसी कई चीजों पर चर्चा की। और आरक्षण के अलावा सहकारी समितियों को नए तरीके से कैसे पुनर्जीवित किया जाए।'' पिछले वर्ष 10 दिसंबर को सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश में मौजूदा आरक्षण नीति के खिलाफ उम्मीदवारों के विभिन्न वर्गों द्वारा उठाई गई शिकायतों पर विचार करने के लिए एक कैबिनेट उप-समिति का गठन किया था। उप-समिति ने अक्टूबर में अपनी रिपोर्ट भेजी और तदनुसार, रिपोर्ट और विधि विभाग द्वारा इसकी समीक्षा पूरी कर ली गई। मुख्यमंत्री ने कहा, ''माननीय उपराज्यपाल को भेजे जाने से पहले कैबिनेट बैठक के कार्यवृत्त पर टिप्पणी करना गलत होगा। मैं बस इतना कहूंगा कि हमने अपने वादे के अनुसार इसे तर्कसंगत बनाने की कोशिश की है। हमने यह भी कोशिश की है कि किसी के साथ अन्याय न हो।''

तमिलनाडुः सरकारी अधिवक्ता की हत्या

# अन्नाद्रमुक ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**तेनकासी (तमिलनाडु)/भाषा।** तेनकासी में भूमि विवाद के एक संदिग्ध मामले में सरकारी अधिवक्ता की बुधवार को कथित तौर पर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। तेनकासी में मुथुकुमारस्वामी (45) के कार्यालय के बाहर दोपहिया वाहन पर सवार एक व्यक्ति ने उनपर धारदार हथियार से हमला किया। घायल मुथुकुमारस्वामी को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने भूमि विवाद में हत्या की आशंका जताी है और मामले में जांच शुरू कर दी है।

इस बीच, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) प्रमुख और विपक्ष के नेता ए. के. पलानीस्वामी ने घटना पर दुख व्यक्त किया और राज्य सरकार पर निशाना साधा।

पलानीस्वामी ने एक बयान में कहा कि यह घटना ''तमिलनाडु में द्रमुक शासन के दौरान चरमराती कानून एवं व्यवस्था की एक और मिसाल है।''

# नौसेना ने केरल तट पर युद्ध कौशल का प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**तिरुवनंतपुरम/भाषा।** भारतीय नौसेना ने बुधवार को यहां शंगुमुघम तट पर एक अभियान के तहत अपनी समुद्री शक्ति और बहु-क्षेत्रीय युद्ध क्षमताओं का प्रदर्शन किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नौसेना दिवस समारोह के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में शामिल हुईं।

नौसेना के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत, एक पनडुब्बी, चार नौकाएं और लड़ाकू जेट, निगरानी विमान और हेलीकॉप्टर सहित 32 विमान और 19 प्रमुख युद्धक पोत इस अभियान का हिस्सा हैं। आईएनएस विक्रांत के क्षितिज पार करते ही तालियों की गड़गड़ाहट से वातावरण गूंज उठा और एक मिग-29 विमान ने उसके डेक से उड़ान भरी।

नौसेना ने अपने अत्याधुनिक अग्रिम पंक्ति के 'फ्रिगेट' और 'मिसाइल कॉर्वेट' का प्रदर्शन किया। 'फ्रिगेट', एक मध्यम आकार की युद्धपोत (नौका) होती है जिन्हें तेज़ गति और फुरती से दिशा बदलने की दृष्टि से निर्मित किया जाता है। इन जहाजों में कोलकाता श्रेणी के विध्वंसक आईएनएस कोलकाता, आईएनएस इम्फाल और नीलगिरि श्रेणी के 'फ्रिगेट' आईएनएस उदयगिरि शामिल थे। इन विमानों में एमएच-60आर भी शामिल था जिसने सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति का स्वागत करने के लिए आकाश में गोले दागे। चार डोर्नियर विमान 'बम ब्लास्ट फार्मेशन' में आकाश में उड़ते रहे।

समुद्र में एक पोत पर नौसेना के विशिष्ट मरीन कमांडो को उतार कर समुद्री डकैती-रोधी और बंधक बचाव अभियान का अभ्यास किया गया। भारतीय नौसेना के प्रवक्ता कैप्टन विवेक मधवाल ने यहां 'पीटीआई-भाषा' को बताया, यह अभियानगत प्रदर्शन सभी आयामों में संचालित आधुनिक नौसेना प्लेटफार्म को एक साथ लाता है जो समुद्र, हवा, पानी के नीचे और जमीन पर नौसेना की अभियान क्षमता और युद्ध क्षमताओं का प्रदर्शन करता है। इससे पहले, केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी की उपस्थिति में हवाई अड्डे के तकनीकी क्षेत्र में मुर्मू का स्वागत किया। तकनीकी क्षेत्र में मुर्मू को 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया और साथ ही प्रमुख विध्वंसक आईएनएस कोलकाता ने उन्हें तोपों की सलामी दी।

मप्र कफ सिरप मौत मामला

# ईडी ने चेन्नई में कोल्ड्रिफ के प्रवर्तक की संपत्ति कुर्क की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** मध्यप्रदेश में कम से कम 20 बच्चों की मौत के लिए कथित तौर पर जिम्मेदार माने जा रहे कफ सिरप कोल्ड्रिफ के निर्माता श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के प्रवर्तक के चेन्नई स्थित दो फ्लैट धनशोधन निरोधक कानून के तहत कुर्क कर लिए गए हैं।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक बयान में कहा गया है कि तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के कोडम्बक्कम में स्थित ये संपत्तियां जी रंगनाथन और उनके परिवार के सदस्यों के स्वामित्व वाली हैं।इन फ्लैटों की कीमत 2.04 करोड़ रुपए है।

रंगनाथन को अक्टूबर में मध्य प्रदेश पुलिस ने गिरफ्तार किया था। ईडी ने आरोप लगाया कि श्रीसन फार्मा ''अपनी निर्माण लागत को कम करने और मुनाफा बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर अनुचित व्यापार प्रथाओं में लिप्त रही...।'' जांच में पाया गया कि निर्माता ने दवाओं के निर्माण में गुणवत्ता जांच के बिना दवा बनाने के स्तर की गुणवत्ता वाले कच्चे माल के बजाय उद्योग में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल का इस्तेमाल किया।

## ममकूटथिल के खिलाफ ब्रह्मास्त्र इस्तेमाल करने का समय आ गया हैः कांग्रेस नेता मुरलीधरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**तिरुवनंतपुरम/भाषा।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन ने यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे पार्टी के निलंबित विधायक राहुल ममकूटथिल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए बुधवार को कहा कि 'ब्रह्मास्त्र' इस्तेमाल करने का समय आ गया है।

मुरलीधरन ने कहा कि वह पार्टी के सभी नेताओं के साथ चर्चा के बाद केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के प्रमुख सनी जोसेफ की ओर से तत्काल और कड़ी कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ममकूटथिल को विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा देने का फैसला खुद ही ले लेना चाहिए। उन्होंने कहा, ''निलंबित किए जाने के बाद पार्टी की कोई भूमिका नहीं रह गई है। व्यक्ति को खुद ही विचार करके फैसला लेना चाहिए।'' मुरलीधरन ने कहा कि पार्टी ने ममकूटथिल को उस समय ही निलंबित कर दिया था, जब पार्टी या पुलिस के पास उनके खिलाफ कोई लिखित शिकायत तक नहीं की गई थी। उन्होंने कहा, ''अब जबकि पार्टी और पुलिस के पास लिखित शिकायतें हैं, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय भाषा में कहें तो अब ब्रह्मास्त्र का इस्तेमाल करने का समय आ गया है।''

## नेमोम विधानसभा सीट सील, भाजपा अब दोबारा नहीं जीत सकती : केरल मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**तिरुवनंतपुरम/भाषा।** केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने बुधवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी नेमोम विधानसभा सीट अब दोबारा नहीं जीत पाएगी क्योंकि इस सीट पर उसके खाते को इस तरह से 'सील' कर दिया गया है कि उसे खोला नहीं जा सकता।

यहां पत्रकारों से बात करते हुए मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता शिवनकुट्टी ने कहा कि भाजपा के लिए नेमोम में फिर से अपना खाता खोलना मुश्किल होगा।

शिवनकुट्टी की यह टिप्पणी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर द्वारा नेमोम सीट से चुनाव लड़ने की घोषणा के एक दिन बाद आई है। चंद्रशेखर ने कहा था, मैं विधानसभा चुनाव लड़ूंगा। सौ प्रतिशत। मैं नेमोम निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ूंगा। नेमोम केरल की एकमात्र विधानसभा सीट है जहां से भाजपा आज तक कभी जीत पायी है। पार्टी ने 2016 के विधानसभा चुनावों में इस सीट पर अपना खाता खोला था, जब पार्टी के वयोवृद्ध नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री ओ राजगोपाल 8,671 वोटों के अंतर से जीते थे। हालांकि, 2021 के विधानसभा चुनावों में भाजपा यह सीट हार गई थी, जब वरिष्ठ नेता और मिजोरम के पूर्व राज्यपाल कुम्मनम राजशेखरन को शिवनकुट्टी ने हरा दिया था।

इसके बावजूद, नेमोम उन सीटों में से एक है जिस पर भाजपा आगामी चुनावों में सबसे अधिक उम्मीदें लगाए हुए है।

चंद्रशेखर की टिप्पणियों के जवाब में शिवनकुट्टी ने कहा, इस सीट पर भाजपा का खाता इस तरह से बंद कर दिया गया है कि अब वह खोला नहीं जा सकता। उनके लिए इसे दोबारा खोलना मुश्किल होगा।

## एम्बेसी रीट ने बेंगलूरु में 852 करोड़ रुपए में तीन लाख वर्ग फुट की कार्यालय संपत्ति खरीदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** रियल एस्टेट कंपनी एम्बेसी ऑफिस पार्क्स रीट ने कारोबार विस्तार के लिए बेंगलूरु में 852 करोड़ रुपए में तीन लाख वर्ग फुट की कार्यालय संपत्ति का अधिग्रहण किया है।

एम्बेसी रीट ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने बेंगलूरु में एम्बेसी गोल्फलिंक्स बिजनेस पार्क में स्थित तीन लाख वर्ग फुट की कार्यालय संपत्ति के अधिग्रहण के लिए निर्णायक समझौते किए हैं।

कंपनी सूचना के अनुसार, '' 852 करोड़ रुपए का यह लेनदेन एम्बेसी रीट की अनुशासित, संवर्धित वृद्धि की रणनीति के अनुरूप है। ''

एम्बेसी रीट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अमित शेट्टी ने कहा कि यह अधिग्रहण भारत के सबसे गतिशील कार्यालय बाजारों में उच्च गुणवत्ता वाले, लाभ-वर्धक निवेश के माध्यम से विकास को बढ़ावा देने की कंपनी की रणनीति को रेखांकित करता है।

कंपनी के पास बेंगलूरु, मुंबई, पुणे, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और चेन्नई में 14 'ऑफिस पार्क' के 5.08 करोड़ वर्ग फुट खंड का स्वामित्व है।

## सीआईआई बेंगलूरु में विनिर्माण उपकरण प्रदर्शनी 'एक्सकॉन 2025' की करेगा मेजबानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) नौ दिसंबर से बेंगलूरु में चार दिवसीय विनिर्माण उपकरण प्रदर्शनी 'एक्सकॉन 2025' की मेजबानी करेगा।

इस प्रदर्शनी का मकसद विनिर्माण उपकरण और उन्नत विनिर्माण में देश के नेतृत्व को दर्शाना है।

बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी विनिर्माण उपकरण प्रदर्शनी 'एक्सकॉन 2025' का आयोजन नौ दिसंबर से 13 दिसंबर तक किया जाएगा।

कार्यक्रम में मदर इंडिया फॉर्मिंग (एमआईएफ) 'प्रिसीजन शीट-मेटल कोल्ड-रोल फॉर्मिंग' में देश की बढ़ती क्षमता का प्रदर्शन करेगी।

एमआईएफ के निदेशक धीरेंद्र सांखला ने कहा, '' 'शीट मेटल प्रिसीजन कोल्ड-रोल फॉर्मिंग' प्रौद्योगिकी भारतीय इंजीनियरिंग की ताकत को दर्शाती है।''

## वेणुगोपाल के मंगलुरु पहुंचने पर शिवकुमार के समर्थन में लगे नारे

सिद्दरामय्या समर्थकों ने किया पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मंगलुरु/भाषा।** कर्नाटक कांग्रेस में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच सत्ता को लेकर खींचतान बुधवार को एक बार फिर तब सामने आयी जब अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव केसी वेणुगोपाल का स्वागत मंगलुरु हवाई अड्डे पर शिवकुमार के समर्थन में नारों के साथ किया गया। इसके जवाब में सिद्दरामय्या के समर्थकों ने बाद में ''मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के लिए पूर्ण कार्यकाल'' के नारे लगाकर पलटवार किया।

यह घटनाक्रम मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के बीच नाश्ते पर दूसरी बार हुई बैठक के ठीक एक दिन बाद सामने आया है, जहां दोनों नेताओं ने एकजुट होने और भाइयों की तरह काम करने का दावा किया था। वेणुगोपाल ऐतिहासिक नारायण गुरु-महात्मा गांधी संवाद के शताब्दी समारोह में भाग लेने के लिए मंगलुरु पहुंचे हैं, जो मंगलुरु विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया था और इसमें मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता शामिल हुए।

वेणुगोपाल के हवाई अड्डा टर्मिनल से बाहर निकलते ही पार्टी कार्यकर्ताओं के एक समूह ने शिवकुमार के समर्थन में नारे लगाए।

बाद में जब मुख्यमंत्री हवाई अड्डे पर पहुंचे तो उनके समर्थकों ने 'सिद्धू, सिद्धू, पूर्ण अवधि सिद्धू' (सिद्दरामय्या का पूरा कार्यकाल) जैसे नारों से जवाब दिया, जिसका स्पष्ट आशय है कि वह 2028 तक अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करें।

इस बीच, सिद्दरामय्या ने वेणुगोपाल के साथ संक्षिप्त, निजी मुलाकात भी की।

शिवकुमार समर्थक समूह के नेता मिथुन राय ने संवाददाताओं से कहा कि पार्टी में कोई प्रतिद्वंद्वी खेमा नहीं है, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि कई कार्यकर्ता शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनते देखना पसंद करेंगे। उन्होंने इसे जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं का उपमुख्यमंत्री के प्रति स्वाभाविक स्नेह बताया।

सिद्दरामय्या और शिवकुमार दोनों ने सार्वजनिक रूप से सरकार को एकजुट बताया है, लेकिन समर्थकों के हालिया बयान दिखाते हैं कि सत्ता को लेकर तनातनी अभी जारी है। मंगलूरु की यह घटना पार्टी कार्यकर्ताओं के एक वर्ग के बीच मौजूद असंतोष का एक और संकेत है, खासकर उन लोगों में जिन पर शिवकुमार का संगठनात्मक प्रभाव माना जाता है।

## निकाय चुनावः केरल के सीईओ ने मतदाता सूची पर झूठे 'व्हाट्सऐप अभियान' को खारिज किया

**तिरुवनंतपुरम/भाषा।** केरल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) रतन यू. केलकर ने बुधवार को उस व्हाट्सऐप अभियान को 'पूरी तरह से निराधार' करार दिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि स्थानीय निकाय चुनावों से पहले निर्वाचन आयोग और कुछ बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) कुछ विशेष धार्मिक या सामुदायिक समूहों को मतदाता सूची से हटाने की कोशिश कर रहे हैं।

पूर्व में आयोग द्वारा स्पष्ट रूप से दी गई जानकारी को दोहराते हुए सीईओ केलकर ने कहा कि जिन लोगों ने विधिवत रूप से गणना प्रपत्र भरकर हस्ताक्षर किए हैं, उन्हें बिना किसी अपवाद के मसौदा मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा।

अधिकारी ने एक बयान में कहा कि त्रिशूर में वेल्लंगल्लूर पंचायत के बीएलओ और कोडुंगल्लूर तहसीलदार को निशाना बनाकर प्रसारित किए गए भ्रामक 'वाइस मैसेज' को कार्रवाई के लिए साइबर सेल को सौंप दिया गया है। केलकर ने चेतावनी दी कि ऐसी झूठी सूचना फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जनता से गलत सूचना का शिकार न होने का आग्रह करते हुए केलकर ने नागरिकों से ऐसे दुर्भावनापूर्ण प्रचार को अस्वीकार करने और उसका मुकाबला करने की भी अपील की।

केरल में स्थानीय निकाय चुनाव नौ और 11 दिसंबर को दो चरणों में होंगे जबकि नतीजे 13 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे।

# बिना आमंत्रण के दिल्ली की यात्रा नहीं करूंगाः मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मंगलुरु (कर्नाटक)/भाषा।** कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को कहा कि जब तक उन्हें औपचारिक रूप से आमंत्रित नहीं किया जाता है, वह नई दिल्ली की यात्रा नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया है जब उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार एक विवाह समारोह में शामिल होने और पार्टी के एक कार्यक्रम की योजना के लिए बुधवार को नई दिल्ली गए।

दोनों नेताओं ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को विराम देने के लिए हाल में बेंगलूरु में अपने आवास पर एक दूसरे को नाश्ते पर बुलाकर बेहतर संबंध प्रदर्शित किया था। बुधवार को जहां उपमुख्यमंत्री दिल्ली के लिए रवाना हो गए, वहीं मुख्यमंत्री मंगलुरु आए। मुख्यमंत्री समाज सुधारक श्री नारायण गुरु की महात्मा गांधी से मुलाकात की शताब्दी के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने मंगलुरु आए थे जिसमें कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कार्यक्रम को संबोधित किया और बाद में मुख्यमंत्री के साथ दोपहर का भोजन किया। यहां कावेरी अतिथि गृह के लिए निकलने से पहले सिद्दरामय्या ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने कांग्रेस महासचिव के साथ कोई राजनीतिक चर्चा नहीं की। जब पत्रकारों ने उन्हें बताया कि शिवकुमार दिल्ली जा रहे हैं, तो मुख्यमंत्री ने कहा, उन्हें जाने दीजिए। क्या किसी ने उन्हें जाने से मना किया है। यह पूछे जाने पर क्या वह भी दिल्ली जाएंगे, तो उन्होंने कहा, मैं तभी जाऊंगा जब मुझे आमंत्रित किया जाएगा। मुझे आमंत्रित नहीं किया गया, इसलिए मैं नहीं जा रहा। उन्होंने कहा कि यदि दिल्ली में बैठक के लिए पार्टी हाईकमान से कोई निर्देश आएगा तो वेणुगोपाल के जरिए बता दिया जाएगा। दिल्ली रवाना होने से पहले शिवकुमार ने कहा कि वह एक विवाह में शामिल होने जा रहे हैं। उन्होंने दिल्ली के रामलीला मैदान में वोट चोरी के खिलाफ अभियान को लेकर 14 दिसंबर को होने वाले एक विशाल आयोजन के संबंध में कांग्रेस मुख्यालय में चर्चा की योजना का भी जिक्र किया। शिवकुमार ने कहा, 14 दिसंबर को दिल्ली में वोट चोरी के खिलाफ आयोजन होने जा रहा है। हम प्रत्येक जिले से कम से कम 300 कार्यकर्ताओं को दिल्ली ले जा रहे हैं। हमें बड़ी संख्या में हिस्सा लेना है। मैंने जिला इकाइयों को कार्यकर्ताओं को दिल्ली ले जाने की व्यवस्था करने का कहा है।

## 'कंतारा' में 'दैव' परंपरा का मजाक उड़ाने के लिए रणवीर सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज

वकील की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत में सोशल मीडिया पर प्रसारित खबरों और वीडियो फुटेज का दिया गया है हवाला

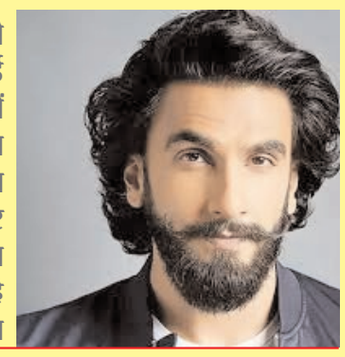

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु/भाषा।** कर्नाटक के एक वकील ने बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह पर फिल्म 'कंतारा' में दर्शाई गई 'दैव' (भूत कोला) परंपरा का मजाक उड़ाकर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाते हुए बुधवार को पुलिस में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी।

हालांकि, हाई ग्राउंड्स पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि शिकायत के संबंध में अभी तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि वकील प्रशांत मेथल की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत में सोशल मीडिया पर प्रसारित खबरों और वीडियो फुटेज का हवाला दिया गया है।

अधिकारी के मुताबिक, शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 28 नवंबर को गोवा में भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के समापन समारोह के दौरान रणवीर ने फिल्म 'कंतारा' में दिखाई गई पवित्र 'दैव' परंपरा का खुलेआम मजाक उड़ाया और उसका अपमान किया।

इसमें कहा गया है, मैं यह शिकायत बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह के गैरकानूनी और आपत्तिजनक कार्यों की ओर आपका ध्यान तुरंत आकर्षित करने के लिए दर्ज कर रहा हूं, जिससे मेरी और लाखों हिंदुओं, खासकर कर्नाटक के तुलु-भाषी समुदाय की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है।

शिकायतकर्ता ने अनुरोध किया कि रणवीर के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, 'दैव' परंपरा का अपमान करने और हिंदू मान्यताओं का मजाक उड़ाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की जाए।

शिकायत में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य करना), 302 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से शब्दों का उच्चारण करना) और 196 (धर्म, जाति, भाषा या जन्मस्थान के आधार पर समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) के तहत आरोप लगाए गए हैं।

# हमारी सरकार दिव्यांगों को सशक्त करने के लिए संकल्पित : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आज खेल जगत से लेकर शिक्षा, विज्ञान, संगीत, कला और तकनीक सहित हर क्षेत्र में दिव्यांगजनों ने अपनी प्रतिभा साबित की है। इन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध करवाना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि हम अपने आस-पास रह रहे दिव्यांगजनों की प्रतिभा को पहचानते हुए इनका पूरा सहयोग करें जिससे इनकी विशेष योग्यता का लाभ समाज को मिल सके तथा एक समावेशी समाज का निर्माण हो। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि राजस्थान दिव्यांगजनों के लिए सबसे सुगम्य और संवेदनशील राज्य बने।

शर्मा बुधवार को हरीश चन्द्र माथुर लोक प्रशासन संस्थान (ओटीएस) में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर राज्य स्तरीय विशेष योग्यजन सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान सम्मानित होने वाले विशेष योग्यजनों एवं संस्थानों को बधाई देते हुए कहा कि इससे विशेष योग्यजनों को सशक्त बनाने के संकल्प को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1992 में हर वर्ष 3 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस मनाने की घोषणा की थी जिससे दिव्यांगजनों के अधिकारों की रक्षा, समान अवसर तथा समाज में समावेशी सोच का प्रसार हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष योग्यजन अपने भीतर विशेष योग्यता रखते हैं। ये अपनी अदम्य इच्छाशक्ति, दृढ़संकल्प और मेहनत से हर सीमा को पार करने का साहस रखते हैं। इनमें वह हुनर और जज्बा होता है जो किसी सामान्य व्यक्ति में मुश्किल से मिलता है। उन्होंने कहा कि पैरालम्पिक में हमारे खिलाड़ियों ने देश और प्रदेश को जो सम्मान दिलाया है, वह उनकी ऊर्जा और क्षमता का प्रमाण है। इनकी सफलता की कहानियां हम सभी को प्रेरित करती हैं। शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा देश में एक ऐसे समावेशी समाज की स्थापना करना है जिसमें किसी व्यक्ति की शारीरिक चुनौतियां उसकी राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए बाधा न बन सकें। उन्होंने अपनी इसी सोच के साथ सुगम्य भारत अभियान जैसी ऐतिहासिक पहल की है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा दिव्यांगजन अधिनियम के माध्यम से विकलांगता की परिभाषा को सात श्रेणियों से बढ़ाकर 21 श्रेणियों तक किया है। इसमें



एसिड अटैक सरवाइवर को भी शामिल किया गया है। यह कानून दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने एवं सामाजिक धारणाओं को बदलने में मददगार साबित हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांगजन हमारे समाज की अमूल्य निधि है। इनके कल्याण के लिए प्रदेश सरकार अनेक योजनाएं संचालित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में विशेष योग्यजन के लिए मोटराइज्ड ट्राई साइकिल, स्मार्टफोन, व्हील चेयर, ट्राई साइकिल, पेंशन इत्यादि से जुड़ी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। हमने विद्यार्थियों एवं स्वरोजगार करने वाले दिव्यांगजनों को गत वर्ष 2 हजार स्कूटी वितरित की हैं तथा इस वर्ष दिव्यांगजनों को ढाई हजार स्कूटी वितरित की जा रही है। साथ ही, दिव्यांगजनों के लिए प्रदेशभर में विभिन्न क्लस्टर बनाए गए हैं।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले साल दिव्यांगजनों को 15 हजार अंग उपकरण वितरित किए थे और इस वर्ष 1 लाख अंग वितरण करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि मस्क्यूलर डिस्ट्रॉफी जैसी दुर्लभ बीमारी से पीड़ित लोगों के जीवन को सुगम बनाने के लिए राज्य में पहली बार इलेक्ट्रिक पावर्ड व्हील चेयर का वितरण किया जा रहा है। साथ ही, विशेष योग्यजनों के लिए संचालित आवासीय संस्थानों का इस वर्ष से मैस भत्ता 2 हजार 500 से बढ़ाकर 3 हजार 250 रुपये प्रति आवासीय कर दिया गया है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में दिव्यांगजनों के पुनर्वास, शिक्षा, स्वास्थ्य, विधिक सहायता एवं सामाजिक सुरक्षा के लिए राज्य सरकार द्वारा निरन्तर प्रयास किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों का चिन्हीकरण एवं प्रमाणीकरण करवाकर यूनिक डिसेबिलिटी पहचान पत्र जारी करने में राजस्थान देशभर में अग्रणी राज्यों में शामिल है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले दिव्यांगजनों को सम्मानित किया। साथ ही, उन्होंने विशेष योग्यजनों को स्मार्टफोन, श्रवण यंत्र एवं स्मार्ट केन भी वितरित किए। इससे पूर्व उन्होंने दिव्यांगजन द्वारा बनाए गए उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विशेष योग्यजनों को स्कूटी वितरण एवं अंग उपकरण भी वितरित किए। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता श्रीमती अपर्णा अरोड़ा, विशेष योग्यजन निदेशालय आयुक्त इकबाल खान सहित अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में विशेष योग्यजन उपस्थित रहे।

## हर मोबाइल में 'संचार साथी' ऐप नागरिकों की जासूसी का प्रयास : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 'संचार साथी' ऐप को लेकर बुधवार को केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा और कहा कि हर मोबाइल में यह ऐप मौजूद होना नागरिकों की जासूसी का प्रयास है। गहलोत ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, हर मोबाइल में 'संचार साथी' ऐप डालना भाजपा सरकार द्वारा हर नागरिक की निजता का उल्लंघन कर उनकी जासूसी करने का प्रयास है। कांग्रेस नेता के अनुसार, यह सर्विलांस शासन का एक नया स्तर है। कोई भी नागरिक अपने मोबाइल से किससे बात करेगा, क्या बात करेगा यह सब अब सरकार की जानकारी में होगा।

गहलोत ने कहा, यदि इसके लिए सुरक्षा कारणों की दलील दी जा रही है तो उसके लिए सर्विलांस के नियम-कायदे पहले से मौजूद हैं। यह देश के सभी नागरिकों को डराने और ब्लैकमेल करने का प्रयास है। सभी नागरिकों को एकजुट होकर इसका विरोध करना चाहिए। संचार मंत्रालय के 28 नवंबर के आदेश में सभी मोबाइल उपकरण विनिर्माताओं को सभी नए हैंडसेट में अनिवार्य रूप से 'संचार साथी' ऐप पहले से इंस्टॉल करने को कहा गया है और मौजूदा मोबाइल फोन पर अपडेट के माध्यम से इसे इंस्टॉल करने का निर्देश दिया गया है।

सरकार के इस आदेश पर विवाद शुरू हो गया। मंगलवार को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य कुछ विपक्षी सदस्यों ने इसे अनिवार्य किए जाने की आलोचना की। हालांकि संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कहा कि 'संचार साथी' ऐप के माध्यम से न तो जासूसी संभव है और ना होगी।

## राजस्थान में रात में भारी ठंड : फतेहपुर, लूणकरणसर में पारा 3.2 डिग्री

जयपुर। राजस्थान के कई हिस्सों में रात के तापमान में भारी गिरावट आई और कई इलाकों में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बुधवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार रात को फतेहपुर (सीकर) और लूणकरणसर (बीकानेर) में सबसे कम तापमान 3.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज करने वाले अन्य स्थानों में चुरू में पांच डिग्री सेल्सियस, नागौर में 5.5 डिग्री और पिलानी (झुंझुनू) में 5.7 डिग्री सेल्सियस शामिल है। सीकर में न्यूनतम तापमान छह डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि श्रीगंगानगर में 7.1 डिग्री, और झुंझुनू में 8.1 डिग्री सेल्सियस रहा। अलवर में 8.2 डिग्री, दौसा में 8.8 डिग्री और जैसलमेर में 9.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। करौली में 10 डिग्री सेल्सियस और अंता (बारां) में 15 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक इसी तरह की ठंड रहने के साथ ही बृहस्पतिवार से जयपुर और बीकानेर संभागों में शीत लहर चलने का अनुमान जताया है।

## आग में झुलसी 30 वर्षीय महिला की इलाज के दौरान मौत

जयपुर। जयपुर में अवैध संबंधों के शक में कथित तौर पर पेट्रोल डालकर आग लगाए जाने के कारण झुलसी 30 वर्षीय महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। महिला के साथ कैलाश गुर्जर (25) नामक व्यक्ति पर भी कथित तौर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई थी, जिसकी सोमवार रात मौत हो गई थी। कैलाश का शव मंगलवार को पोस्टमॉर्टम के बाद अंतिम संस्कार के लिए परिवार को सौंप दिया गया था। सोनी गुर्जर नामक महिला का शरीर 45 प्रतिशत तक झुलस चुका था और एसएमएस अस्पताल में उसका इलाज किया जा रहा था। पुलिस उपाधीक्षक (दूदू) दीपक खंडेलवाल ने कहा कि मंगलवार देर रात तीन बजे महिला की मौत हो गई। वहीं कैलाश के परिवार वालों और रिश्तेदारों ने मामले में शामिल सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए कुछ देर विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारी ने कहा, परिवार वालों को भरोसा दिलाया गया कि इस अपराध में शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा।

## उच्चतम न्यायालय ने धन शोधन मामले में राजस्थान के पूर्व मंत्री को जमानत दी

नयी दिल्ली/जयपुर। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कांग्रेस नेता और राजस्थान के पूर्व मंत्री महेश जोशी को जल जीवन मिशन योजना में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन मामले में जमानत दे दी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने राजस्थान उच्च न्यायालय के अगस्त में दिए गए आदेश को चुनौती देने वाली जोशी की अपील पर यह आदेश पारित किया। उच्च न्यायालय ने जोशी को जमानत देने से इनकार कर दिया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जोशी (70) को जयपुर स्थित अपने कार्यालय में करीब सात-आठ घंटे की पूछताछ के बाद धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में ले लिया था। ईडी का धन शोधन मामला राजस्थान के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा उस योजना के संबंध में दर्ज की गई प्राथमिकी से उपजा है, जिसका उद्देश्य घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है। राजस्थान में यह योजना जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी (पीएचई) विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही थी, पिछली अशोक गहलोत सरकार में जोशी के पास इस विभाग का जिम्मा था।

## उद्योग लगाना अब हुआ और भी आसान, प्लग एंड प्ले एवं फैक्ट्री शेड्स बन रहे उद्यमियों की पसंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पचपदरा (बालोतरा) स्थित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड के निकट विकसित किए जा रहे रीको के राजस्थान पेट्रो जोन में औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने के लिए उद्यमियों की ओर से उत्साहजनक रूझान दिखाई दे रहा है। प्रत्यक्ष आवंटन योजना के अंतर्गत राजस्थान पेट्रो जोन के प्रथम फेज में नियोजित भूखण्डों के आवंटन की प्रक्रिया निरंतर आगे बढ़ रही है।

औद्योगिक क्षेत्र बोरावास कलावा में स्थित राजस्थान पेट्रो जोन में रिफाइनरी के सह-उत्पाद आधारित उद्योगों हेतु प्रत्यक्ष आवंटन योजना के तहत 16 निवेशकों को भूखण्ड आवंटित किए जा रहे हैं जो डाउनस्ट्रीम प्रोडक्टस से जुडे उद्योगों के प्रति निवेशकों की बढ़ती रूचि का संकेत है। रिफाइनरी से निकलने वाले डाउनस्ट्रीम उत्पाद जैसे प्रोपलीन, बेंजीन, टोल्यून और ब्यूटाडाइन जैसे फीडस्टॉक का उपयोग आरपीजेड में लगने वाले उद्योगों में ही कच्चे माल के रूप में हो सकेगा एवं इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

ऐसे उद्यमी जिनके पास पेट्रोकेमिकल्स एवं केमिकल्स में टेक्निकल योग्यता तो है परंतु पूंजी की उपलब्धता नहीं है, उनके लिये रीको आरपीजेड में ही प्लग एवं प्ले फैक्ट्री शेड भी बना रहा है। शेड्स का क्षेत्रफल 1600 से 2700 वर्गमीटर तक है। वर्तमान में रीको ऐसे करीब 8 प्लग एवं प्ले फैक्ट्री शेड्स का आरपीजेड में निर्माण कर रहा है।

जो उद्यमी कम लागत पर अपनी औद्योगिक इकाई लगाना चाहते हैं, उनके लिये रीको द्वारा राज्य में प्रथम बार जयपुर सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र में फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स में 'रेडी-टू-मूव इन' मॉड्यूल्स बनाये हैं। उद्यमी इन 'रेडी-टू-मूव इन' मॉड्यूल्स में अल्प समय में ही अपनी इकाई शुरू कर सकते हैं। ऐसी सुविधा को उद्यमी हाथों हाथ ले रहे हैं। रीको द्वारा प्रथम चरण में 7 उद्यमियों को मॉड्यूल्स आवंटन के लिये ऑफर लेटर जारी कर दिये गये हैं। यहां गारमेंट एवं अपैरल क्षेत्र की इकाइयाँ स्थापित होंगी जिससे रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। इस कॉम्प्लेक्स में कई तरह की सुविधायें यथा प्रशासनिक कार्यालय, बैंक, प्रशिक्षण कक्ष, सभा कक्ष और कैंटीन भी उपलब्ध हैं। यहां गारमेंट एवं अपैरल उद्योग हेतु 1236 से 1566 वर्गफीट के बिल्टअप मॉड्यूल्स 1 से 7 वर्ष की अवधि के लिए लाइसेंस फीस आधार पर दिए जा रहे हैं, जिससे उद्यमी उत्पादन गतिविधियां तुरंत ही शुरू कर सकते हैं।

## सामान्य से अधिक विशिष्ट हैं दिव्यांग बच्चे : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि दिव्यांग बच्चे सामान्य से अधिक विशिष्ट हैं। उन्हें दया की नहीं समाज के समर्थन की जरूरत है। उनमें यह विश्वास जगाए जाने की जरूरत है कि वे चाहे तो सब कुछ कर सकते हैं। बागड़े बुधवार को 'अभिव्यक्ति वेलफेयर सोसायटी' द्वारा आयोजित विश्व दिव्यांगता दिवस सम्मान समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चों को यदि अवसर प्रदान किए जाएं तो वे आकाश छू सकते हैं। उन्होंने दिव्यांग बच्चों से संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि दिव्यांग जनों की मानसिक, बौद्धिक या संवेदी क्षमताएँ सामान्य व्यक्ति से अधिक होती हैं। उनके जीवन में सामान्य लोगों की तुलना में ज्यादा चुनौतियाँ और बाधाएँ होती हैं फिर भी वे अपने आपको निरंतर साबित करते हैं। राज्यपाल ने दिव्यांगजनों के अधिकारों और कल्याण लिए सभी को समर्पित होकर कार्य किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दिव्यांग-बच्चे देवताओं के समान हैं। उनमें विशिष्ट गुण होते हैं। इसीलिए उन्हें 'वेदांगी' कहा गया है। वह ऐसे बच्चे होते हैं जो ज्ञान से जुड़े अंग लिए होते हैं। पर कई बार यह अंग सुप्त हो जाते हैं, इनका उपचार यदि समुचित रूप में होता है तो यह समाज के लिए बहुत बड़ी सौगात है। राज्यपाल ने बच्चों की प्रतिभा को आगे लाने पर जोर दिया और कहा कि भारत सरकार ने दिव्यांगजनों को विकास की मुख्यधारा में शामिल करने तथा उनके कौशल को पोषण देने एवं उनकी सुगमता और अधिकारों की सुरक्षा के लक्ष्य पर आधारित 'दिव्यांगजन अधिकार विधेयक - 2016' पारित किया है।

## शादीशुदा प्रेमी-प्रेमिका ने टैंक में कूदकर दी जान: युवती की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बाड़मेर। जिले के चौहटन थाना क्षेत्र के अमरावास कोनरा गांव में बुधवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब शादीशुदा युवक और विवाहिता युवती ने पानी के टैंक (टांके) में कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया। ग्रामीणों की मदद से दोनों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक युवती की मौत हो चुकी थी।

गंभीर हालत में मिले युवक को बाड़मेर रेफर किया गया है। दो दिन से थे घर से गायब पुलिस के अनुसार दोनों पिछले दो दिनों से घर से लापता थे। बुधवार सुबह करीब 8:30 बजे एक ग्रामीण ने उन्हें अमरावास कोनरा निवासी खेराज के खेत में बने पानी के टांके पर संदिग्ध अवस्था में बैठे देखा। व्यक्ति ने तुरंत आसपास के लोगों और दोनों के परिजनों को इसकी सूचना दी। इससे पहले कि कोई पहुंच पाता, दोनों ने टैंक में छलांग लगा दी।

ग्रामीणों द्वारा तुरंत बचाव कार्य शुरू किया गया और दोनों को टैंक से बाहर निकालकर चौहटन अस्पताल ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया, जबकि युवक को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में बाड़मेर के जिला अस्पताल रेफर किया गया। मृतका की पहचान लक्ष्मी (पुत्री नंदूलाल), निवासी आटिया के रूप में हुई है, जबकि घायल युवक डूंगराराम (पुत्र प्रभुराम), निवासी अमरावास कोनरा बताया गया है।

घटना की जानकारी मिलने पर चौहटन पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। परिजनों को सूचित कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। चौहटन डीएसपी जेठाराम ने बताया कि शुरुआती जांच में दोनों के बीच प्रेम संबंध होने की जानकारी मिली है। आगे की कार्रवाई परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी। जानकारी के अनुसार युवक डूंगराराम शादीशुदा है और उसकी दो बेटियां हैं। वह मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता है। बताया जाता है कि वह सोमवार से ही घर से लापता था। मंगलवार को भी घर नहीं लौटा। ग्रामीणों के अनुसार मंगलवार को दोनों को साथ में देखा गया था। बुधवार सुबह युवक के घर से लगभग 600 मीटर दूर खेत में बने टांके पर दोनों फिर देखे गए और कुछ देर बाद उन्होंने टैंक में कूदकर जान देने की कोशिश की।

## मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सामाजिक लेखा परीक्षा, जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसायटी की शासी निकाय की बैठक आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में बुधवार को शासन सचिवालय में सामाजिक लेखा परीक्षा, जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसायटी (एसएसएएटी) की शासी निकाय की चतुर्थ बैठक आयोजित की गयी। इस दौरान सोसायटी की ओर से महात्मा गांधी नरेगा योजना, प्रधान मंत्री आवास यो जना, स्वच्छ भारत मिशन, 15वां वित्त आयोग, मिड-डे-मील तथा केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं के सामाजिक अंकेक्षण की प्रगति का अवलोकन किया गया। साथ ही वर्ष 2025-26 में मनरेगा योजना के अलावा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, समग्र शिक्षा योजना, भवन एवं अन्य संनिर्माण श्रमिक कल्याण मण्डल की योजनायें और सामाजिक सुरक्षा पेंशन व सहायता योजना का सामाजिक अंकेक्षण किये जाने का अनुमोदन किया गया। इसी प्रकार वर्ष 2022-23 व 2023-24 के वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन व विभिन्न वर्षों के लेखों तथा अंकेक्षण रिपोर्ट का अनुमोदन किया गया। मुख्य सचिव ने सोसायटी की बैठक नियमित रूप से आयोजित करने, सामाजिक अंकेक्षण दल द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में वर्णित इश्यूज के बारे में प्रभावी कार्यवाही करने, सामाजिक अंकेक्षण दल का मुख्यालय से समय-समय पर निरीक्षण किये जाने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास विभाग श्रेया गुहा, प्रमुख महालेखाकार राजस्थान, शासन सचिव वित्त बजट, शासन सचिव, पंचायती राज विभाग, शासन सचिव, श्रम एवं नियोजन विभाग, शासन सचिव ग्रामीण विकास विभाग, आयुक्त मनरेगा, निदेशक, सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग एवं निदेशक सामाजिक लेखा परीक्षा जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसायटी उपस्थित रहे।

## राज्य सरकार ने संशोधित अधिसूचना जारी की, 6 जिलों की 19 तहसीलें अभावग्रस्त सूची से बाहर

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा जारी संशोधित अधिसूचना के अनुसार प्रदेश के 06 जिलों की 19 तहसीलों में प्रभावित कृषक नहीं होने के कारण उन्हें अभावग्रस्त तहसीलों की श्रेणी से बाहर किया गया है।

संशोधित अधिसूचना में भरतपुर जिले की भुसावर, बूंदी जिले की तालेड़ा एवं बूंदी, बांसवाड़ा जिले की अम्बापुरा, बांसवाड़ा, छोटी सरवन, गांगड़तलाई एवं सज्जनगढ़ तहसीलों को अभावग्रस्त श्रेणी से हटाया गया है। इसी के साथ राजसमंद जिले की आमेट, खमनोर, देलवाड़ा, सलूम्बर, झल्लारा एवं सराड़ा तथा हनुमानगढ़ जिले की भादरा तहसील को अभावग्रस्त श्रेणी से हटाया गया है।

पूर्व में जारी अधिसूचनाओं के तहत उपरोक्त जिलों में बाढ़ से 33 प्रतिशत या इससे अधिक फसल खराबा से प्रभावित होने वाले कृषकों को कृषि आदान-अनुदान वितरण की अनुमति दी गयी थी।

## बाल विवाह मुक्त राजस्थान के संकल्प को साकार करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री, दिया कुमारी ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप बाल विवाह मुक्त राजस्थान के संकल्प को साकार करने के लिए राजस्थान सरकार प्रतिबद्ध है। दिया कुमारी ने बताया कि राज्य सरकार वर्ष 2030 तक बाल विवाह के उन्मूलन के संकल्प को पूर्ण करने के लिए अग्रसर है- जिसका उद्देश्य प्रत्येक बच्चे के अधिकारों का संरक्षण, सुरक्षा तंत्रों को सुदृढ़ करना तथा बच्चों को समान अवसर और सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। उल्लेखनीय है कि बाल विवाह मुक्त भारत के लिए एक राष्ट्रव्यापी जन जागरूकता अभियान आयोजित किया जा रहा है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी 4 दिसंबर 2025 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली से 100 दिनों के विशेष अभियान का शुभारंभ करेंगी। सम्पूर्ण कार्यक्रम का वेबकास्ट प्रातः 10:30 बजे से किया जाएगा।

बाल अधिकारिता आयुक्त श्री आशीष मोदी ने बताया कि राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर के सभी अधिकारी, जैसे कि डीपीओ, सीएमपीओ, सीडीपीओ, सुपरवाइजर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, हेल्पर, और ओएससी, एचईडब्ल्यू, शक्ति सदन, सखी निवास, सीसीआई, सीडब्ल्यूसी



और जेजेपी आदि के अधिकारी/कर्मचारी, डक्क्रि, झठख प्रतिनिधियों, स्वास्थ्य कर्मियों, विधिक समुदाय, शैक्षणिक संस्थानों, समुदाय के नेताओं, सेवा प्रदाताओं और सिविल सोसायटी से अनुरोध है कि वे अपने मोबाइल फोन, कार्यालय के डेस्कटॉप, लैपटॉप या टैबलेट के माध्यम से इस कार्यक्रम में शामिल हों। यह भी सुनिश्चित करें कि सभी पीएचसी, एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं को भी इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए निर्देशित किया गया है। समूह भागीदारी के लिए कार्यालयों, सम्मेलन कक्षों या ऑडिटोरियम में व्यवस्था की जा सकती है ताकि अधिक से अधिक लोगों को शामिल किया जा सकने के लिए भी निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि भारत सरकार के निर्देश अनुसार ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, पंचायती राज, कृषि, कौशल विकास, शिक्षा, संस्कृति, युवा और खेल आदि जैसे विभागों को निर्देश दें कि वे अपने अधिकारियों, कर्मचारियों, क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों, जैसे कि महिला स्वयं सहायता समूह, चू इहरीरीं स्वयंसेवक और शिक्षकों को इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह भी सुझाव दिया जाता है कि इस कार्यक्रम को कॉमन सर्विस सेंटर, पंचायत और स्थानीय निकायों में प्रसारित किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोग इससे जुड़ सकें।

उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर प्रारंभ किए गए बाल विवाह मुक्त भारत मिशन में शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा तथा सामुदायिक जनभागीदारी जैसे बहु-क्षेत्रीय हस्तक्षेपों पर विशेष बल दिया गया है। इसी क्रम में, बाल अधिकारिता विभाग द्वारा अप्रैल 2025 में बाल विवाह मुक्त राजस्थान अभियान प्रारंभ किया गया।

# पश्चिम बंगाल में ममता के राज में हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है, महिलाएं परेशान हैं : सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चंडीगढ़/भाषा।** पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव में पहले, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वहां हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है और महिलाएं परेशान हैं।

सैनी ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस (तृकां) सरकार एक खास तबके को खुश करने पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने यह भी सवाल किया कि कितने ''बाहरी लोगों के वोट'' जोड़े गए हैं, और पूछा कि क्या यही वजह है कि राज्य में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का (एसआईआर) का विरोध किया जा रहा है। सैनी हरियाणा सरकार की 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना' के तहत योग्य महिलाओं को दूसरी किस्त जारी करने के बाद यहां संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे । उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद राज्य में महिलाएं परेशान हैं। उन्होंने कहा, ''... और वहां महिलाओं की क्या हालत है? एक महिला मुख्यमंत्री के राज में, महिलाएं परेशान हैं, बेटियां बाहर नहीं जा सकतीं।''

प्रदेश में हिंदू समुदाय के लोगों को निशाना बनाये जाने का आरोप लगाते हुए सैनी ने दावा किया कि ममता अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों को पूरा करने के बजाय ''लोगों के एक खास वर्ग'' पर ध्यान देकर भेदभाव एवं वोट बैंक की राजनीति कर रही हैं ।'' उन्होंने कहा, ''और वहां हिंदुओं को कैसे निशाना बनाया जा रहा है, यह सब आपके सामने है; यह दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसा नहीं होना चाहिए।'' सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई सभी योजनाएं '140 करोड़ भारतीयों की पूरी भलाई को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं।''

उन्होंने कहा कि इन कोशिशों का मकसद आम लोगों की ज़िंदगी को आसान बनाना और फ़ायदे सीधे पहुँचाना है। हरियाणा के मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उनकी पार्टी भाजपा काम करती है, जबकि विरोधी पार्टियां केवल बड़े-बड़े वादे करती हैं, उन्हें उन्हें पूरा नहीं करतीं।

# दिव्यांग लोगों के लिए 'बैरियर-फ्री इंडिया' बनाने में मदद करें : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लखनऊ/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोगों और सरकारी अधिकारियों से दिव्यांग लोगों के लिए 'बैरियर-फ्री इंडिया' बनाने की दिशा में पूरी संवेदनशीलता और संकल्पबद्धता के साथ काम करने की अपील की।

योगी ने विश्व दिव्यांग दिवस के मौके पर एक सभा को संबोधित करते हुए लोगों से अपील की और कहा, ''आइये, हम संवेदनशील बनें। आइए हम दिव्यांगजनों के लिए एक बैरियर-फ्री इंडिया बनाने में ईमानदारी से अपनी भूमिका निभाएं।'' उन्होंने आगे कहा, ''विश्व दिव्यांग दिवस के मौके पर मैं सिर्फ एक बात कहना चाहता हूं कि हर छोटी कोशिश एक नया बदलाव ला सकती है।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''एक लम्बे समय तक दिव्यांग जन शासन की सुविधाओं से वंचित रहे। वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में आठ लाख के आसपास दिव्यांजनों को मात्र पेंशन मिलती थी, वह भी 300 रुपए महीना। बहुत सी जगह बाबू लोग कट (रिश्वत) भी मांगते थे लेकिन आज हम एक हजार रुपए प्रति दिव्यांग के हिसाब से सीधे उसके बैंक खाते में पेंशन जमा करते हैं। कोई घूसखोरी नहीं होती।'' उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के लिए अच्छे संस्थान खड़े हों इसके लिए अलगअलग स्थानों पर केंद्र स्थापित किए गए हैं।

आदित्यनाथ ने कहा कि दिव्यांगजन देश की ताकत का एक जरूरी हिस्सा बने हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''आप किसी से कम नहीं हैं। आपकी हिम्मत, आपकी प्रतिभा और आपकी सफलता नए भारत की ताकत है। सरकार और समाज आपके साथ मजबूती से खड़े हैं। मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि आपकी हर तरह की मदद दी जाएगी।'' उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि दिव्यांगजनों के लिए बनी सभी योजनाएं और लाभ बिना किसी विलंब के उन तक पहुंचें। सरकार इसके लिए अपनी पूरी ताकत लगायेगी और जहां भी किसी सुविधा की जरूरत होगी, वह दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि भी दी और राष्ट्रपति तथा संविधान सभा के अध्यक्ष के तौर पर उनकी भूमिका को याद किया।

## टीएमसी के खिलाफ लड़ाई जारी रखें, अगले साल चुनाव जीतेंगे: प्रधानमंत्री मोदी

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों से राज्य में तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव जीतने की दिशा में काम करने को कहा। पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की, उनके साथ मालदा उत्तर से लोकसभा सदस्य खगेन मुर्मू भी थे, जिन पर अक्टूबर में भीड़ ने हमला किया था। मोदी ने मुर्मू का हालचाल पूछा और राज्य के भाजपा सदस्यों से कहा कि वे राज्य में लोकतंत्र बचाने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार का मुकाबला करें। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया, प्रधानमंत्री ने हमसे कहा कि लोकतंत्र बचाने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार से लड़ते रहें। हम इस सरकार को हटा देंगे। प्रधानमंत्री ने हमसे कहा कि हमें ये चुनाव जीतना है और हम चुनाव जीतेंगे। दार्जिलिंग के सांसद राजू बिस्टा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल में भाजपा कार्यकर्ताओं के समर्पण और अथक प्रयासों की प्रशंसा की तथा जन संपर्क में उनकी भूमिका और जरूरत के समय राज्य के लोगों के साथ खड़े रहने पर प्रकाश डाला।

## बिहार प्रदेश कांग्रेस में 'इंडि' गठबंधन से अलग होने की मांग तेज

**पटना/भाषा।** बिहार विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद प्रदेश कांग्रेस के भीतर 'इंडि' गठबंधन से बाहर आने की मांग जोर पकड़ने लगी है। पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि कांग्रेस यदि अपने दम पर चुनाव लड़े तो उसका संगठन और जनाधार दोनों मजबूत होंगे तथा राहुल गांधी के नेतृत्व को अधिक सार्थक समर्थन मिलेगा। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता किशोर कुमार झा ने कहा कि पार्टी को अब 'इंडि' गठबंधन से अलग हो जाना चाहिए। उन्होंने कहार, इंडिया गठबंधन से बाहर रहकर संघर्ष करने पर ही कांग्रेस बिहार और देश में फिर मजबूत होगी। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा, भारत जोड़ो न्याय यात्रा और वोटर अधिकार यात्रा से उनकी छवि में सकारात्मक बदलाव आया है। आम लोगों में उनके प्रति विश्वास और स्वीकार्यता बढ़ी है। सूत्रों के मुताबिक, सोमवार को सदाकत आश्रम में चुनावी परिणामों की समीक्षा के लिए बुलाई गई बैठक में भी महागठबंधन से अलग होने की आवाजें उठीं थीं। कांग्रेस महिला विभाग की पूर्व अध्यक्ष सरवत जहां फ़ातिमा ने कहा कि यदि पार्टी अकेले चुनाव लड़ती तो परिणाम बेहतर हो सकते थे। फ़ातिमा ने टिकट वितरण में महिलाओं को अपर्याप्त प्रतिनिधित्व का आरोप लगा इस्तीफा दे दिया था।

## क्रिकेटर ऋचा घोष बनीं पश्चिम बंगाल पुलिस की डीएसपी, सिलीगुड़ी में एसीपी की जिम्मेदारी संभाली

**कोलकाता/भाषा।** पश्चिम बंगाल पुलिस ने बुधवार को बताया कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सदस्य और विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रही ऋचा घोष पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के पद पर राज्य पुलिस बल में शामिल हो गई हैं और सिलीगुड़ी में सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) के रूप में जिम्मेदारी संभाली। अधिकारियों ने बताया कि 22 वर्षीय घोष ने सिलीगुड़ी पुलिस आयुक्तालय में पद संभाला जहां उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य सदस्यों से मुलाकात की। उनकी नियुक्ति पिछले महीने एक सार्वजनिक सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा की गई घोषणा के बाद हुई।

घोष ने आठ नवंबर को वरिष्ठ अधिकारियों से मिलने के लिए कोलकाता स्थित राज्य पुलिस मुख्यालय का दौरा किया था। पश्चिम बंगाल पुलिस ने 'एक्स' पर किए गए पोस्ट में कहा, ''महिला क्रिकेट विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम की अहम सदस्य ऋचा घोष आज डीएसपी के पद पर राज्य पुलिस में जुड़ गई हैं। उन्हें सिलीगुड़ी आयुक्तालय में एसीपी नियुक्त किया गया है।'' पोस्ट में आगे लिखा गया, ''पश्चिम बंगाल पुलिस परिवार में स्वागत है ऋचा। ढेर सारी शुभकामनाएं और बधाइयां।''

# बिहार में अगले पांच वर्षों में एक करोड़ रोजगार सृजित किए जायेंगे : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पटना/भाषा।** बिहार के राज्यपाल अरिफ मोहम्मद खान ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने अगले पांच वर्षों में एक करोड़ रोजगार सृजित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

वह विधानमंडल के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित कर रहे थे, जो हाल के विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की प्रचंड जीत के बाद बुलायी गई थी। राज्यपाल ने अपने अभिभाषण की शुरुआत मतदाताओं, विशेषकर महिलाओं को बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए धन्यवाद देते हुए की और निर्वाचन आयोग की सफलतापूर्वक चुनाव कराने के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि 24 नवंबर 2005 को नीतीश कुमार की पहली सरकार बनने के बाद से बिहार में बहुत कुछ उपलब्धि हासिल की गई है तथा अगले पांच वर्षों में यह कार्य और आगे बढ़ाया जाएगा। राज्यपाल ने कहा, शुरू से ही सरकार का प्रयास युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार और आजीविका के अन्य साधन उपलब्ध कराने का रहा है। 2020 में 'सात निश्चय पार्ट-2' के अंतर्गत 10 लाख सरकारी नौकरियां और उतने ही अन्य रोजगार अवसर सृजित करने का लक्ष्य रखा गया था। उन्होंने कहा कि अब तक 50 लाख युवाओं को रोजगार मिला है, जिनमें 10 लाख सरकारी नियुक्तियां शामिल हैं। अगले पांच वर्षों के लिए एक करोड़ रोजगार सृजित करने का लक्ष्य तय किया गया है।

राज्यपाल ने केंद्र सरकार द्वारा बिहार को प्रदान किए जा रहे पूर्ण सहयोग को रेखांकित करते हुए कहा कि पिछले वर्ष केंद्रीय बजट में विशेष आर्थिक सहायता के तहत सड़कों, उद्योगों, पर्यटन, स्वास्थ्य सेवाओं और बाढ़ नियंत्रण के लिए बड़ी राशि का प्रावधान किया गया था।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष फरवरी में पेश बजट में मखाना बोर्ड गठन, नए हवाई अड्डों के लिए आर्थिक सहायता तथा पश्चिम कोसी नहर परियोजना के लिए घोषणाएं की गईं। उन्होंने कहा कि राज्य को इस वर्ष खेलो इंडिया यूथ गेम्स की मेजबानी का अवसर मिलने पर भी गर्व है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के लिए कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया है और तेज गति से कार्य चल रहा है। हम प्रधानमंत्री प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

## बंगाल में एसआईआर की चाल के पीछे अमित शाह : ममता

**मालदा (पश्चिम बंगाल)/भाषा।** मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव से कुछ महीनों पहले निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को शुरू करने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर बुधवार को निशाना साधा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर मतदाताओं को परेशान करने और छल से पश्चिम बंगाल पर कब्जा करने के लिए इस कवायद की साजिश रचने का आरोप लगाया।

मालदा के गजोले में एसआईआर विरोधी एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि भगवा खेमे ने बंगाल की नब्ज को समझने में गलती की और जल्दबाजी में पुनरीक्षण प्रक्रिया को आगे बढ़ाकर अपनी ही कब्र खोद ली जिससे नागरिकों में दहशत फैल गई। उन्होंने आरोप लगाया, ''चुनाव से ठीक पहले बंगाल में एसआईआर लागू करने की इस चाल के पीछे अमित शाह हैं।''

बनर्जी ने कहा, शाह किसी भी कीमत पर बंगाल पर कब्ज़ा करना चाहते हैं। लेकिन याद रखिए, बंगाल में एसआईआर करके आपने अपनी कब्र खुद खोद ली है। बंगाल और बिहार एक नहीं हैं। आप चालाकी और छल से बंगाल नहीं जीत सकते। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग द्वारा चार नवम्बर को एसआईआर लागू करने से व्यापक भय फैल गया है, लोगों को लगने लगा है कि उनके नाम मतदाता सूची से मनमाने ढंग से हटा दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, अब तक चार बीएलओ समेत 39 आम नागरिकों की एसआईआर के कारण मौत हो चुकी है, जिनमें आत्महत्याएं भी शामिल हैं। हम उनके परिवारों की मदद कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि ऐसी ही घटनाएं अन्य राज्यों में भी हुई हैं। बनर्जी ने स्पष्ट किया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पुनरीक्षण का विरोध नहीं कर रही है, बल्कि राजनीति से प्रेरित जल्दबाजी का विरोध कर रही है। उन्होंने कहा, हम एसआईआर या जनगणना के खिलाफ नहीं हैं।

# हमने यह सुनिश्चित किया है कि दिव्यांगजन सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कोलकाता/भाषा।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार ने जन्म से लेकर पूरे जीवन काल तक दिव्यांग व्यक्तियों को सहायता प्रदान करने हेतु संस्थागत तंत्र को मजबूत किया है।

बनर्जी ने कहा कि सरकार ने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से दिव्यांगजनों के लिए एक मजबूत सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क भी तैयार किया है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, इस अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर हम एक अधिक समावेशी समाज के निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि नवजात शिशुओं की जांच कर उनके विसंगतियों और विकासात्मक देरी का पता लगाया जा रहा है जिससे कि समय रहते हुए सुधारात्मक हस्तक्षेप किया जा सके। उन्होंने कहा, हम विशेष स्कूल चलाते हैं, सभी स्कूलों में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए विशेष शिक्षा की व्यवस्था करते हैं ताकि वे अच्छी आजीविका कमा सकें। सरकारी नौकरियों में आरक्षण देकर हमने सुनिश्चित किया है कि दिव्यांगजन आत्मनिर्भरता और सम्मान का जीवन जी सकें। उन्होंने कहा, हमने दिव्यांगजनों के लिए मानविक पेंशन, विद्यार्थी छात्रवृत्ति, कृत्रिम अंग वितरण और सभी के लिए स्वास्थ्य सेवा जैसी योजनाओं के माध्यम से एक मजबूत सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क भी तैयार किया है। बनर्जी ने लोगों से एक ऐसे समाज के निर्माण के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया जहां हर व्यक्ति, चाहे उसकी परिस्थितियां कैसी भी हों, को समान अवसर मिल सके।

## केंद्र सरकार प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण को बढ़ावा दे रही है : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**शिलांग/भाषा।** केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण पर जोर दे रही है और उभरते डिजिटल उपकरणों तक समान पहुंच सुनिश्चित करेगी।

शिलांग में 'रीजनल एआई इम्पैक्ट' सम्मेलन को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए वैष्णव ने कहा कि केंद्र सरकार ने समावेशी कृत्रिम बुद्धिमत्ता पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए पांच वर्षों में 10,300 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य दस लाख लोगों को एआई कौशल में प्रशिक्षित करना है, जो भविष्य में रोजगार के लिए महत्वपूर्ण होगा। मंत्री ने कहा कि इस प्रयास के तहत, देशभर में 570 डेटा एवं एआई प्रयोगशालाएं स्थापित की जा रही हैं, जिनमें एनआईईएलआईटी शिलांग समेत राज्य में बनने वाली प्रयोगशालाएं शामिल हैं।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मेघालय के प्रधान सचिव संपत कुमार ने कहा कि यह आयोजन एआई में सहयोग के अवसर प्रदान करता है और राष्ट्रीय विकास रैंकिंग में शीर्ष 10 में आने के राज्य के लक्ष्य के अनुरूप है।

## भारत में 200 देशों के 72,000 से अधिक छात्र अध्ययन कर रहे : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** सरकार ने बुधवार को राज्यसभा को बताया कि वर्तमान में लगभग 200 देशों के कुल 72,218 विदेशी छात्र भारत में अध्ययन कर रहे हैं। शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के उत्तर में बताया कि प्रतिष्ठित संस्थान (आईओएफ) का दर्जा प्रदान करने के लिए शुरू की गई विश्वस्तरीय संस्थान योजना के तहत अब तक आठ सार्वजनिक संस्थानों को 6,198.99 करोड़ रुपए की राशि मंजूर की गई है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग (क्यूएस डब्ल्यूयूआर) 2026 में भारत के 54 उच्च शिक्षण संस्थान शामिल किए गए हैं, जबकि 2014-15 में यह संख्या केवल 11 थी। उस समय केंद्र में भाजपा सरकार सत्ता में आई थी।

मंत्री ने कहा, अब क्यूएस डब्ल्यूयूआर 2026 में 54 भारतीय संस्थानों को रैंक दिया गया है।'' उन्होंने इसे क्यूएस रैंकिंग में भारत की अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी बताया। मजूमदार ने कहा, भारत में लगभग 72,218 विदेशी छात्र हैं। वे 200 देशों के हैं और विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार विदेशी विश्वविद्यालयों और विदेशी छात्रों के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए कई कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने विश्व स्तरीय संस्थान योजना शुरू की थी, ताकि सार्वजनिक और निजी श्रेणी से 10-10 उच्च शिक्षण संस्थानों को प्रतिष्ठित संस्थान (आईओई) का दर्जा दिया जा सके और उन्हें विश्व-स्तरीय शिक्षण तथा शोध संस्थानों के रूप में विकसित किया जा सके। अब तक 12 संस्थानों को आईओई के रूप में अधिसूचित किया जा चुका है, जिनमें आठ सार्वजनिक श्रेणी के और चार निजी श्रेणी के संस्थान शामिल हैं। उन्होंने कहा, इस योजना के तहत केवल सार्वजनिक संस्थानों को ही धनराशि प्रदान की जाती है।

# किंग कोहली ने लगातार दूसरा शतक लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**रायपुर/भाषा।** भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में लगातार दूसरा शतक और कुल 84वां अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया जिससे साबित होता है कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं, भले ही वह खेल के एक ही प्रारूप में खेलते हों।

दक्षिण अफ्रीका के भारत को बल्लेबाजी का न्योता दिए जाने के बाद कोहली ने 93 गेंद में 102 रन बनाए और रुतुराज गायकवाड़ (83 गेंद में 105 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 195 रन की साझेदारी की। गायकवाड़ ने इस प्रारूप में अपना पहला शतक बनाया। सैंतीस साल के कोहली टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं। उन्होंने रांची में शृंखला के पहले मैच में 120 गेंद में 135 रन बनाए थे। कोहली ने अपनी पारी के दौरान सात चौके और दो छक्के लगाए और वह अपना 53वां वनडे शतक बनाने के दौरान शानदार फॉर्म में दिखे जिससे शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में दर्शक खुशी से झूम उठे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए कोहली एक बार फिर जल्दी आए और दक्षिण अफ़्रीकी गेंदबाजों पर ऐसे हावी हो गए जो सिर्फ वही कर सकते हैं।

## टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारत की जर्सी का अनावरण

**रायपुर/भाषा।** टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम की जर्सी का अनावरण बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान किया गया।

टी20 विश्व कप का 10वां चरण भारत और श्रीलंका के आठ स्थलों पर सात फरवरी से आठ मार्च तक आयोजित किया जाएगा। भारत को ग्रुप ए में उसके पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, अमेरिका, नीदरलैंड और नामीबिया के साथ रखा गया है। भारत सात फरवरी को मुंबई में अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका के खिलाफ करेगा। जर्सी का अनावरण इस टूर्नामेंट के ब्रांड दूत और पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा तथा भारतीय टी20 टीम के सदस्य तिलक वर्मा ने किया।

## मोहित शर्मा ने खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहित शर्मा ने बुधवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी जिससे उनके 34 अंतरराष्ट्रीय मैच और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में एक दशक से अधिक चले करियर का अंत हो गया।

सैंतीस वर्षीय मोहित ने 26 वनडे और आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट के जरिए यह घोषणा की और अपने प्रशंसकों, टीम के साथियों और अधिकारियों का आभार जताया। मोहित ने लिखा, ''आज पूरे दिल से मैं क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा करता हूं। हरियाणा का प्रतिनिधित्व करने से लेकर भारत की जर्सी पहनने और आईपीएल खेलने तक यह सफर शानदार रहा है। हरियाणा क्रिकेट संघ को विशेष धन्यवाद जो मेरे करियर की रीढ़ रहा। और अनिरुद्ध सर का गहरा आभार जिनके निरंतर मार्गदर्शन और विश्वास ने मेरे सफर दो दिशा दी जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।'' भारत के लिए 2013 में पदार्पण करने वाले मोहित ने 26 वनडे में 35 विकेट और आठ टी20 में छह विकेट झटके।

## सुविचार

**ऐसे तीन मार्ग हैं जो आत्मा के पतन की ओर ले जाते हैं। ये काम, क्रोध और लोभ हैं और इनका त्याग करना ही सर्वोत्तम है।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# 'संचार साथी' पर हंगामा क्यों?

'मोबाइल फोन में 'संचार साथी' ऐप को लेकर मचे हंगामे के बीच केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कई सवालों के जवाब देकर स्थिति साफ कर दी है। आज लोग निजता और डेटा सुरक्षा के संबंध में बहुत जागरूक हो गए हैं, लिहाजा उनकी आशंकाओं का निवारण करने के बाद ही कोई कदम उठाना चाहिए। विपक्ष इस ऐप को 'जासूसी' के प्रयास से जोड़कर देख रहा है। पूर्व में कई ऐप्स पर डेटा लीक और जासूसी के गंभीर आरोप लगे हैं। ऐसे में लोग किसी ऐप पर सवाल उठाएं तो उन्हें संतोषजनक जवाब मिलना चाहिए। इस ऐप पर छाया संदेह का कोहरा ज्योतिरादित्य सिंधिया के जवाबों के बाद छंट जाना चाहिए। 'संचार साथी' ऐप के साथ कोई अनिवार्यता नहीं जुड़ी है। कोई व्यक्ति यह ऐप रखना चाहे तो अपने फोन में रखे या उसे डिलीट कर दे। वास्तव में यह मुद्दा निजता के साथ ही ग्राहक सुरक्षा का भी है। देश में ज्यादातर लोगों को इसके बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। अगर फोन खो जाए तो क्या करना चाहिए, किससे संपर्क करना चाहिए, कैसे शिकायत दर्ज करानी चाहिए, अपने डेटा को कैसे सुरक्षित रखना चाहिए – जैसे अनगिनत सवाल तब मन में आते हैं, जब ऐसी घटना हो जाती है। उस समय दिलो-दिमाग पर चिंता छा जाती है। अगर यह ऐप मोबाइल फोन में रहेगा तो इन सारे सवालों के जवाब तुरंत मिल जाएंगे। प्राय: लोगों को यह तो मालूम होता है कि नया मोबाइल फोन कहां से लेना है, उसे कैसे इस्तेमाल करना है, लेकिन साइबर ठगी, फोन चोरी जैसी घटनाएं होने के बाद सही कदम उठाने के बारे में कम ही जानकारी होती है। साइबर ठग इसका खूब फायदा उठा रहे हैं।

**पंजाब-हरियाणा में सक्रिय एक संगठन तो आज तक इसके बारे में कई विचित्र दावे कर रहा है और बहुत लोग उसकी बातों पर विश्वास करते हैं। यह सरकार की जिम्मेदारी है कि एक-एक कर सारे सवालों के जवाब आसान शब्दों में दे।**

क्या कोई ऐसी व्यवस्था नहीं होनी चाहिए, जिसके तहत साइबर सुरक्षा मजबूत की जाए, साइबर ठगों के खिलाफ कार्रवाई करने में तेजी लाई जाए? सरकार को ऐसा ऐप हर मोबाइल फोन तक पहुंचाना चाहिए। हां, लोगों को यह अधिकार होना चाहिए कि वे चाहें तो 'संचार साथी' को फोन में रखें, चाहें तो उसे हटा दें। सरकार ने इसकी पूरी गुंजाइश रखी है। फिर विवाद कहां है? अभी सोशल मीडिया कई सवालों से भरा हुआ है। कई आशंकाओं में से एक आशंका यह जताई जा रही है कि इस ऐप के रूप में सरकार के पास ऐसा हथियार आ जाएगा, जिसके जरिए वह किसी का फोन कभी भी और कहीं भी बंद कर देगी! हालांकि हर नई पहल के साथ ऐसे सवालों की बाढ़ आती है। जब आधार कार्ड की शुरुआत की गई थी तो कई लोगों ने इसे संदेह की दृष्टि से देखा था। इसके बारे में कहा गया था कि लोगों की जमीनें हड़प ली जाएंगी, उनकी आजादी छीन ली जाएगी! पंजाब-हरियाणा में सक्रिय एक संगठन तो आज तक इसके बारे में कई विचित्र दावे कर रहा है और बहुत लोग उसकी बातों पर विश्वास करते हैं। यह सरकार की जिम्मेदारी है कि एक-एक कर सारे सवालों के जवाब आसान शब्दों में दे। वह लोगों को बताए कि इसके लागू होने से आपको इतने फायदे होंगे। अगर दुनिया में कहीं इससे मिलती-जुलती व्यवस्था है तो उसका उदाहरण देते हुए वहां के नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों का उल्लेख करना चाहिए। निजता और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। इससे कोई समझौता नहीं किया जा सकता। उम्मीद है कि 'संचार साथी' ऐप सभी कसौटियों पर खरा उतरेगा और देशवासियों के लिए वरदान सिद्ध होगा।

## ट्वीटर टॉक

हर मोबाइल में संचार साथी ऐप डालना भाजपा सरकार द्वारा हर नागरिक की निजता का उल्लंघन कर उनकी जासूसी करने का प्रयास है। यह सर्विलांस राज का एक नया स्तर है। कोई भी नागरिक अपने मोबाइल से किससे बात करेगा।

**-अशोक गहलोत**

खुदीराम बोस वो महान क्रांतिकारी, जिन्होंने मात्र 18 साल की आयु में अपने सर्वोच्च बलिदान से ऐसी गाथा लिख दी थी जो आज तक अमर है। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के इस 150 वें वर्ष पर उन्हें याद करना देशभक्ति की मशाल की लौ को अपने अंदर महसूस करना है।

**-गजेन्द्र सिंह शेखावत**

डीआरडीओ द्वारा फाइटर एयरक्राफ्ट के लिए हाई-स्पीड रॉकेट-स्लेड एस्केप सिस्टम का सफल परीक्षण हमारे रक्षा क्षेत्र की क्षमता और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई मजबूती प्रदान करता है।यह ऐतिहासिक सफलता हमारे वैज्ञानिकों की प्रतिभा, परिश्रम और अटूट समर्पण का उत्कृष्ट प्रमाण है और वायुसेना की सुरक्षा क्षमता को और सुदृढ़ करेगी।

**-दिया कुमारी**

## प्रेरक प्रसंग

# भरोसे से कामयाबी

ले खक जॉर्ज बर्नार्ड शॉ जो भी रचना किसी पत्र-पत्रिका को छपने के लिए भेजते, वह कुछ दिनों बाद अस्वीकृत होकर वापस लौट आती। लंबे समय तक उनकी रचनाओं की अस्वीकृति का यह सिलसिला चलता रहा। किन्तु दृढ़ निश्चयी शॉ को विश्वास था कि एक न एक दिन उनके लेखन की सराहना अवश्य होगी। उन्होंने हार नहीं मानी और अस्वीकृत होकर लौटी रचनाओं को एक बोरे में इकट्ठा करते चले गए। फिर एक दिन ऐसा आया जब उनकी एक रचना एक प्रसिद्ध पत्रिका में प्रकाशित हुई और पाठकों द्वारा खूब सराही गई। उस पत्रिका के संपादक ने जब शॉ से और रचनाएं भेजने का आग्रह किया तो उन्होंने कोई नई रचना लिखने के बजाय, बोरे में रखी हुई पुरानी अस्वीकृत रचनाएं एक-एक करके भेजनी शुरू कर दीं। रचनाएं छपती गईं और शॉ की लोकप्रियता बढ़ती गई। देखते ही देखते अन्य कई पत्रिकाओं के संपादक भी उनसे रचनाएं मंगवाने लगे। शॉ उन्हीं पुरानी अस्वीकृत रचनाओं को निकाल-निकालकर उन्हें भेजते रहे। अंततः एक दिन वह बोरा, जिसमें कभी अस्वीकृत रचनाएं भरी रहती थीं, पूरी तरह खाली हो गया और जॉर्ज बर्नार्ड शॉ एक महान लेखक के रूप में प्रसिद्ध हो गए।

## सामयिक

# पुतिन की भारत यात्रा: नयी विश्व राजनीति की आहट

ललित गर्ग

मो.: 9811051133

**पुतिन की इस यात्रा का महत्व इसलिए भी है कि यह बताती है कि भारत किसी वैश्विक शक्ति के दबाव में नहीं, बल्कि अपनी प्राथमिकताओं के आधार पर संबंध तय करता है। ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा आत्मनिर्भरता, बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था और एशियाई सामरिक संतुलन की ष्टि से भारत-रूस साझेदारी अपरिहार्य है। मोदी और पुतिन की मुलाकात इस विश्वास की प्रमाणिकता है कि संबंध केवल शीत युद्ध की स्मृतियों पर नहीं, बल्कि समकालीन हितों और भविष्य की रणनीति पर आधारित हैं।**

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा एक साधारण कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि इतिहास के सात दशकों में बुनी एवं गढ़ी गई मित्रता का नवीन उद्घोष है। कहा जाता है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी मित्र और शत्रु नहीं, स्थायी हित होते हैं, किंतु भारत-रूस संबंध इस कथन की परिधि से आगे जाकर स्थायी भरोसे, नैतिक दायित्व और पारस्परिक सम्मान के प्रतीक बने हुए हैं। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका, यूरोप एवं नाटो गठबंधन रूस पर कठोर आर्थिक और रणनीतिक प्रतिबंध लगाए हुए हैं। इसके बावजूद भारत ने रूस को न केवल कूटनीतिक स्तर पर सम्मान-साथ दिया बल्कि ऊर्जा व रक्षा क्षेत्र में उसे सबसे भरोसेमंद साझेदार माना। इसलिए यह वार्ता केवल दो नेताओं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एवं भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुलाकात नहीं, बल्कि एक नए युग के सूत्रपात का संकेत है, नयी विश्व राजनीतिक समीकरण की आहट है। भारत और रूस की मित्रता का इतिहास लगभग 70 वर्षों का है। शीतयुद्ध काल में रूस (तत्कालीन सोवियत संघ) ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम से लेकर पोखरण परमाणु परीक्षणों तक, रूस ने भारत का साथ दिया। आज जब यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक राजनीति को ध्रुवीकृत कर दिया है, अमेरिका ने भारत पर रूस से दूरी बनाने का दबाव बनाया, किंतु भारत ने सामरिक स्वायत्तता की नीति को बनाए रखते हुए रूस का साथ निभाया। पश्चिम के प्रतिबंधों के बीच भारत ने भारी मात्रा में रूसी पेट्रोलियम और गैस खरीदकर अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की तथा रूस को आर्थिक सहारा दिया। यह निर्णय महज एक वाणिज्यिक लाभ का मामला नहीं था, बल्कि भारतीय विदेश नीति की स्वयंभूता का प्रदर्शन था। दूसरी ओर, रूस ने भी भारत को कभी निराश नहीं किया। चाहे एस-400 वायु रक्षा प्रणाली हो, टी-90 टैंक हों, ब्रह्मोस मिसाइल परियोजना हो या पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान सुखोई-57 से जुड़ा सहयोग, भारत की सैन्य क्षमता में रूस का योगदान निर्णायक रहा है। वहीं पाकिस्तान की शत्रुता के खिलाफ भारत के हितों को रूस का अप्रत्यक्ष समर्थन मिलता रहा। हाल ही में दक्षिण एशिया की बदलती सुरक्षा परिस्थितियों में रूस ने भारत की सामरिक चिंता को समझा और 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे अभियानों में सहयोग की भूमिका निभाई। यह तथ्य भारत-रूस संबंधों की गहराई और विश्वास को दर्शाता है।

पुतिन और मोदी की वार्ता ऐसे समय आयोजित हो रही है, जब वैशिक शक्ति-संतुलन परिवर्तन के दौर में है। अमेरिका-चीन तनाव, यूक्रेन युद्ध, पश्चिमी प्रतिबंध, ऊर्जा बाजारों की अस्थिरता और पश्चिमी देशों की रूस के विरुद्ध एकजुटता, इन परिस्थितियों में भारत की भूमिका मध्यस्थ, संतुलक तथा स्वतंत्र धुरी के रूप में उभर रही है। पुतिन भारत को न केवल रक्षा सहयोगी मानते हैं, बल्कि एशियाई भू-राजनीति में संतुलन का स्तंभ भी। वहीं मोदी की विदेश नीति बहुध्रुवीय विश्व की अवधारणा पर आधारित है, जिसमें रूस का स्थान केंद्रीय है। इस यात्रा से ऊर्जा सहयोग और बढ़ेगा। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता है और रूस उसके लिए सस्ता, विश्वसनीय तथा दीर्घकालिक आपूर्तिकर्ता। प्रतिबंधों के बावजूद रूस ने भारत को कच्चे तेल के साथ ही कोयला, गैस और परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में सहयोग दिया। भारत को सस्ती ऊर्जा देने के पीछे केवल व्यावसायिक हित नहीं बल्कि मित्रता और सामरिक साझेदारी भी निहित है। रक्षा क्षेत्र में सहयोग और विस्तृत होने की उम्मीद है। भारत का लक्ष्य 'मेक इन इंडिया' रक्षा उत्पादन है और रूस इसके लिए सबसे बड़ा भागीदार बना हुआ है। ब्रह्मोस मिसाइल, राइफल निर्माण, स्पेयर पार्ट सप्लाई और संयुक्त विकास कार्यक्रमों के नए विकल्प वार्ता में उभरेंगे। रूस भारत को केवल उपभोक्ता नहीं, निर्माता के रूप में स्थापित करने में सहभागी है, जो संबंधों की परिपक्वता को दर्शाता है।

भारत-रूस दोस्ती अब एक नया अध्याय लिखने को तत्पर है। दोनों देशों की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है, यहां तक की अमेरिका के साथ बेहतर हुए संबंधों के दौर में भी रूस हमारा विश्वस्त साझीदार बना रहा है, प्रगाढ़ दोस्ती में कोई फर्क नहीं पड़ा है। अब रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा से दोनों देशों की दोस्ती में नई गरमाहट की संभावना के साथ दोस्ती के नये स्वस्तिक उकेरने की बात सामने आ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल के वर्षों में अमेरिका के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया है, लेकिन रूस के साथ देश के दशकों पुराने रक्षा संबंध भी बरकरार हैं। भारत ने अमेरिका और यूरोप से हथियारों की खरीद बढ़ाकर रूस पर निर्भरता को संतुलित बनाया है, लेकिन मॉस्को अभी भी भारत का सबसे बड़ा हथियार सप्लायर है। रूस दोस्ती की ओर आगे बढ़ते हुए भारत के लोगों को रोजगार देने के लिये भी एक समझौता मसौदा तैयार किया है। रूस अपने उद्योगों के लिए 10 लाख भारतीय कुशल श्रमिकों को काम पर रखना चाहता है।

भारत-रूस संबंधों का सबसे मजबूत आधार है-कूटनीतिक विश्वास और सम्मान। रूस ने कभी भारतीय आंतरिक राजनीति या नीतिगत मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया। उसने कश्मीर, परमाणु नीति, रणनीतिक साझेदारी और पड़ोसी विवादों पर भारत की संप्रभुता का समर्थन किया। वहीं भारत ने भी रूस की सुरक्षा चिंताओं को समझाकृचाहे नाटो विस्तार का मुद्दा हो या यूक्रेन का संघर्ष इसलिए भारत ने पश्चिमी दबावों की उपेक्षा करते हुए संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की वकालत की। अंतरिक्ष विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, अनुसंधान और चिकित्सा के क्षेत्र में भी रूस की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में रूस सहयोगी रहा है और भविष्य की यात्री-वाहक मिशनों में भी सहयोग की संभावनाएँ हैं। दोनों देशों की सांस्कृतिक साझेदारी भी विशेष हैरू योग, आयुर्वेद, साहित्य, रूसी नाट्यकला और भारतीय कलाकृसबने एक-दूसरे समाज में स्थान पाया। फिर भी यह संबंध चुनौतियों से खाली नहीं। चीन-रूस साझेदारी और भारत-अमेरिका निकटता के बीच संतुलन बनाए रखना दोनों देशों के लिए चुनौतीपूर्ण है। रूस चाहता है कि एशिया में भारत संतुलक भूमिका निभाए, वहीं भारत नहीं चाहता कि रूस का झुकाव चीन की ओर अत्यधिक बढ़े। इसी प्रकार रक्षा सहयोग में तकनीक हस्तांतरण, उत्पादन विलंब और आर्थिक भुगतान व्यवस्थाओं पर भी मतभेद रहे हैं। किंतु इन मतभेदों को वार्ता द्वारा समाधान के प्रयास दोनों राष्ट्रों की परिपक्वता को दर्शाते हैं।

पुतिन की इस यात्रा का महत्व इसलिए भी है कि यह बताती है कि भारत किसी वैश्विक शक्ति के दबाव में नहीं, बल्कि अपनी प्राथमिकताओं के आधार पर संबंध तय करता है। ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा आत्मनिर्भरता, बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था और एशियाई सामरिक संतुलन की दृष्टि से भारत-रूस साझेदारी अपरिहार्य है। मोदी और पुतिन की मुलाकात इस विश्वास की प्रमाणिकता है कि संबंध केवल शीत युद्ध की स्मृतियों पर नहीं, बल्कि समकालीन हितों और भविष्य की रणनीति पर आधारित हैं। यह यात्रा एक प्रतीक है-स्वतंत्र विदेश नीति, सामरिक साझेदारी और सांस्कृतिक सम्मान की। भारत-रूस संबंध केवल दो राष्ट्रों की निकटता का परिचय नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में एक विशिष्ट वैकल्पिक शक्ति संरचना का निर्माण है। पश्चिमी देशों की आलोचना और प्रतिबंधों के बावजूद भारत और रूस ने अपने संबंधों को न केवल जीवित रखा बल्कि सुदृढ़ किया। इस मुलाकात से भारत की ऊर्जा सुरक्षा को नई गति मिलेगी, रक्षा उत्पादन को स्वदेशीकरण का बल मिलेगा, व्यापार एवं तकनीकी सहयोग विस्तृत होगा और रणनीतिक विश्वास की डोर और मजबूत होगी। पुतिन और मोदी की यह वार्ता बताती है कि भूराजनीति केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि भरोसे और सहयोग पर भी टिकती है। अतः कहा जा सकता है कि पुतिन की भारत यात्रा एक नई ऊर्जा, नए दृष्टिकोण और नई साझेदारियों की शुरुआत है-जहाँ भारत और रूस न केवल मित्र हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर संतुलित, स्वाधीन और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के निर्माता भी हैं। यह यात्रा उसी निर्माण का नवीन अध्याय है, जिसमें पुराने भरोसे से जन्म ले रहा है एक नया भविष्य। प्रेषक:

## नजरिया

### भारतीय नौसेना दिवस पर विशेष

# भारत की नीली सीमाओं की अजेय प्रहरी भारतीय नौसेना

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना के जांबाजों को याद करते हुए 'भारतीय नौसेना दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय नौसेना की शानदार जीत के जश्न के रूप में मनाया जाता है। दरअसल 3 दिसम्बर 1971 को पाकिस्तानी सेना ने हमारे हवाई और सीमावर्ती क्षेत्र में हमला कर दिया था। दुष्ट पाकिस्तान को उस हमले का मुहतोड़ जवाब देने के लिए पाकिस्तानी नौसेना के कराची स्थित मुख्यालय को निशाने पर लेकर 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' चलाया गया था और भारतीय नौसेना की मिसाइल नाव तथा दो युद्धपोतों के आक्रमणकारी समूह ने कराची के तट पर जहाजों के समूह पर हमला कर दिया था। हमले में पाकिस्तान के कई जहाज और ऑयल टैंकर तबाह कर दिए गए थे। भारतीय नौसेना का वह हमला इतना आक्रामक था कि कराची बंदरगाह पूरी तरह बर्बाद हो गया था और कराची तेल डिपो पूरे सात दिनों तक धू-धूकर जलता रहा था। तेल टैंकरों में लगी आग की लपटों को 60 किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। उस हमले में कराची हार्बर फ्यूल स्टोरेज तबाह होने के कारण पाकिस्तानी नौसेना की कमर टूट गई थी। भारतीय नौसेना द्वारा किए गए हमले में तीन विद्युत क्लास मिसाइल बोट, दो एंटी-सबमरीन और एक टैंकर शामिल थे और युद्ध में भारतीय नौसेना ने पहली बार जहाज पर मार करने वाली एंटी शिप मिसाइल से हमला किया था। ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध में जीत हासिल करने वाली भारतीय नौसेना की शक्ति और बहादुरी को सलाम करने के लिए 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना दिवस मनाने की शुरुआत हुई।

नौसेना दिवस समारोह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की योजना विशाखापट्टनम स्थित भारतीय नौसेना कमान द्वारा तैयार की जाती है। समारोह की शुरुआत युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित करके की जाती है, उसके बाद नौसेना की पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों आदि की ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया जाता है। नौसेना के मुंबई स्थित मुख्यालय में इस अवसर पर नौसैनिक अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हैं और गेटवे ऑफ इंडिया बीटिंग रीट्रिट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। भारतीय नौसेना मुख्य रुप से तीन भागों (वेस्टर्न नेवल कमांड, ईस्टर्न नेवल कमांड तथा दक्षिणी नेवल कमांड) में बंटी है। वेस्टर्न नेवल कमांड का मुख्यालय मुंबई में, ईस्टर्न नेवल कमांड का विशाखापत्तनम में और दक्षिणी नेवल कमांड का कोच्चि में है। वेस्टर्न तथा ईस्टर्न कमांड ऑपरेशनल कमांड है, जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी को संभालती है जबकि दक्षिणी नेवल कमांड ट्रेनिंग कमांड है। केरल स्थित एझिमाला नौसेना अकादमी एशिया की सबसे बड़ी नौसेना अकादमी है। भारत के राष्ट्रपति भारतीय नौसेना के सुप्रीम कमांडर हैं। वॉइस एडमिरल राम दास कटारी 22 अप्रैल 1958 को भारतीय वायुसेना के पहले भारतीय चीफ बने थे। भारतीय नौसेना का नीति वाक्य है 'शं नो वरुण:' अर्थात जल के देवता वरुण हमारे लिए मंगलकारी रहें।

भारतीय नौसेना 4 दिसंबर 2025 को तिरुवनंतपुरम के शंगुमुघम बीच पर नौसेना दिवस को भव्य और अद्वितीय ऑपरेशनल प्रदर्शन के रूप में मना रही है। यह आयोजन न केवल 1971 के ऐतिहासिक युद्ध विजय को स्मरण करेगा बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की उभरती सामरिक शक्ति और बढ़ते समुद्री प्रभाव का भी प्रतीक बनेगा। इस अवसर पर सतह पोतों, पनडुब्बियों और हवाई युद्धक क्षमताओं का शानदार संगम देखने को मिलेगा, जो नौसेना की बहु-क्षेत्रीय तत्परता और सटीक सैन्य संचालन की क्षमता को प्रदर्शित करेगा। पूरे प्रदर्शन का केंद्रबिंदु आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना होगी। स्वदेशी जहाजों, हथियार प्रणालियों और तकनीकी प्लेटफॉर्म की प्रस्तुति यह स्पष्ट संदेश देगी कि भारतीय नौसेना 'मेक इन इंडिया' की आत्मा को वास्तविक शक्ति में बदल रही है। यह आयोजन न केवल तकनीकी उत्कृष्टता, संसाधन क्षमता और ऊर्जावान रणनीतिक सोच का परिचायक बनेगा बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत को 'पसंदीदा सुरक्षा साझेदार' के रूप में स्थापित करने की नौसेना की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करेगा। यह भव्य प्रदर्शन उन वीर पुरुषों और महिलाओं को नमन है, जो अनुशासन, साहस और राष्ट्रनिष्ठा के साथ समुद्री सीमाओं की रक्षा करते हैं। यह भारतीय नौसेना को एक आधुनिक, आत्मनिर्भर और युद्ध के लिए सदा तत्पर बल के रूप में स्थापित करने का सशक्त घोष है।

भारतीय नौसेना का कार्य भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करना है और इसके गठन का इतिहास ब्रिटिश काल से जुड़ा है। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारतीय नौसेना की स्थापना वर्ष 1612 में ब्रिटिश व्यापारियों के जहाजों की सुरक्षा के लिए 'ईस्ट इंडिया कम्पनी मरीन' के रूप में की थी। वर्ष 1686 तक ब्रिटिश व्यापार पूरी तरह से बॉम्बे में स्थानांतरित हो जाने के बाद इस दस्ते का नाम 'ईस्ट इंडिया मरीन' से बदलकर 'बॉम्बे मरीन' कर दिया गया, जिसने मराठा, सिंधी युद्ध के साथ-साथ वर्ष 1824 में बर्मा युद्ध में भी हिस्सा लिया था। वर्ष 1892 में इसका नाम 'रॉयल इंडियन नेवी' रखा गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1950 में नौसेना का गठन फिर से किया गया और 26 जनवरी 1950 को भारत के लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के बाद इसका नाम रॉयल इंडियन नेवी से बदलकर इंडियन नेवी (भारतीय नौसेना) कर दिया गया।

भारतीय नौसेना वर्तमान में विशालकाय और एडवांस फीचर से लैस अपने युद्धक पोतों, सबमरीन्स इत्यादि के बलबूते दुनियाभर में चौथे स्थान पर है। मौजूदा समय में भारतीय नौसेना की ताकत पर नजर डालें तो भारतीय नौसेना के बेड़े में दो विशाल विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य तथा आईएनएस विक्रांत के अलावा अनेक अत्याधुनिक एयरक्राफ्ट, वॉरफेयर शिप, सबमरीन तथा अन्य सैन्य साजो-सामान हैं, जो इसे दुनिया में चौथी सबसे मजबूत नौसेना बनाते हैं।

बहरहाल, यह गर्व की बात है कि हिन्द महासागर में ड्रैगन के कब्जे की रणनीति को नाकाम करने के लिए भारत अपनी समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए लगातार विध्वंसक युद्धपोतों और पनडुब्बियों के निर्माण में लगा है। इसी कड़ी में आईएनस कलवरी, खंडेरी और आईएनएस करंज के बाद स्वदेशी पनडुब्बी आईएनएस वेला को नौसेना में शामिल किया जा चुका है, जो अत्याधुनिक मशीनरी और टैक्नोलॉजी के साथ-साथ घातक हथियारों से भी लैस है। इस सबमरीन को 'साइलेंट किलर' कहा जाता है, जो दुश्मन को उसकी मौत की भनक तक नहीं लगने देती। कुल मिलाकर, भारतीय नौसेना की ताकत दिनों-दिन बढ़ रही है और वर्तमान में इसकी ताकत के आगे पाकिस्तानी नौसेना कहीं नहीं ठहरती तथा चीन की चुनौतियों का भी हमारी नौसेना डटकर मुकाबला कर रही है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

## विरोध

लोकसभा में राहुल गांधी, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, कांग्रेस जनरल सेक्रेटरी प्रियंका गांधी वाड्रा और पार्टी प्रेसिडेंट मल्लिकार्जुन खरगे, विंटर सेशन के दौरान पार्लियामेंट कॉम्प्लेक्स में विरोध करते हुए।

## निकाय चुनाव : केरल के सीईओ ने मतदाता सूची पर झूठे 'व्हाट्सऐप अभियान' को खारिज किया

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) रतन यू. केलकर ने बुधवार को उस व्हाट्सऐप अभियान को 'पूरी तरह से निराधार' करार दिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि स्थानीय निकाय चुनावों से पहले निर्वाचन आयोग और कुछ बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) कुछ विशेष धार्मिक या सामुदायिक समूहों को मतदाता सूची से हटाने की कोशिश कर रहे हैं। पूर्व में आयोग द्वारा स्पष्ट रूप से दी गई जानकारी को दोहराते हुए सीईओ केलकर ने कहा कि जिन लोगों ने विधिवत रूप से गणना प्रपत्र भरकर हस्ताक्षर किए हैं, उन्हें बिना किसी अपवाद के मसौदा मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। अधिकारी ने एक बयान में कहा कि त्रिशूर में वेल्लंगल्लूर पंचायत के बीएलओ और कोडुंगल्लूर तहसीलदार को निशाना बनाकर प्रसारित किए गए भ्रामक 'वाइस मैसेज' को कार्रवाई के लिए साइबर सेल को सौंप दिया गया है। केलकर ने चेतावनी दी कि ऐसी झूठी सूचना फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जनता से गलत सूचना का शिकार न होने का आग्रह करते हुए केलकर ने नागरिकों से ऐसे दुर्भावनापूर्ण प्रचार को अस्वीकार करने और उसका मुकाबला करने की भी अपील की। केरल में स्थानीय निकाय चुनाव नौ और 11 दिसंबर को दो चरणों में होंगे जबकि नतीजे 13 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे।

अमृतसर में बुधवार को कोलंबियाई डांस डेलीगेशन के सदस्य 12वें अमृतसर इंटरनेशनल फोक फेस्टिवल के दौरान परफॉर्म करते हुए।

## एम्बेसी रीट ने बेंगलूरु में 852 करोड़ रुपये में तीन लाख वर्ग फुट की कार्यालय संपत्ति खरीदी

नयी दिल्ली/बेंगलूरु। रियल एस्टेट कंपनी एम्बेसी ऑफिस पार्क्स रीट ने कारोबार विस्तार के लिए बेंगलूरु में 852 करोड़ रुपये में तीन लाख वर्ग फुट की कार्यालय संपत्ति का अधिग्रहण किया है। एम्बेसी रीट ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने बेंगलूरु में एम्बेसी गोल्फलिंक्स बिजनेस पार्क में स्थित तीन लाख वर्ग फुट की कार्यालय संपत्ति के अधिग्रहण के लिए निर्णायक समझौते किए हैं। कंपनी सूचना के अनुसार, 852 करोड़ रुपये का यह लेनदेन एम्बेसी रीट की अनुशासित, संवर्धित वृद्धि की रणनीति के अनुरूप है। एम्बेसी रीट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अमित शेट्टी ने कहा कि यह अधिग्रहण भारत के सबसे गतिशील कार्यालय बाजारों में उच्च गुणवत्ता वाले, लाभ-वर्धक निवेश के माध्यम से विकास को बढ़ावा देने की कंपनी की रणनीति को रेखांकित करता है। कंपनी के पास बेंगलूरु, मुंबई, पुणे, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और चेन्नई में 14 'ऑफिस पार्क' के 5.08 करोड़ वर्ग फुट खंड का स्वामित्व है।

## मप्र कफ सिरप मौत मामला: ईडी ने चेन्नई में कोल्ड्रिफ के प्रवर्तक की संपत्ति कुर्क की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। मध्यप्रदेश में कम से कम 20 बच्चों की मौत के लिए कथित तौर पर जिम्मेदार माने जा रहे कफ सिरप कोल्ड्रिफ के निर्माता श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के प्रवर्तक के चेन्नई स्थित दो फ्लैट धनशोधन निरोधक कानून के तहत कुर्क कर लिए गए हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक बयान में कहा गया है कि तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के कोडम्बक्कम में स्थित ये संपत्तियां जी रंगनाथन और उनके परिवार के सदस्यों के स्वामित्व वाली हैं।इन फ्लैटों की कीमत 2.04 करोड़ रुपये है। रंगनाथन को अक्टूबर में मध्य प्रदेश पुलिस ने गिरफ्तार किया था। ईडी ने आरोप लगाया कि श्रीसन फार्मा अपनी निर्माण लागत को कम करने और मुनाफा बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर अनुचित व्यापार प्रथाओं में लिप्त रही...। जांच में पाया गया कि निर्माता ने दवाओं के निर्माण में गुणवत्ता जांच के बिना दवा बनाने के स्तर की गुणवत्ता वाले कच्चे माल के बजाय उद्योग में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल का इस्तेमाल किया।

भोपाल के पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के कचरे को जलाने वाली वेस्ट-डिस्पोजल यूनिट के पास बसे तारपुरा गांव के लोगों ने अधिकारियों से अपील की कि वे उनके शहर में बंद यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से निकलने वाले टॉक्सिक कचरे को जलाने से निकलने वाली 900 टन राख को न फेंकें।

## सीआईआई बेंगलूरु में विनिर्माण उपकरण प्रदर्शनी 'एक्सकॉन 2025' की करेगा मेजबानी

नयी दिल्ली/बेंगलूरु। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) नौ दिसंबर से बेंगलूरु में चार दिवसीय विनिर्माण उपकरण प्रदर्शनी 'एक्सकॉन 2025' की मेजबानी करेगा। इस प्रदर्शनी का मकसद विनिर्माण उपकरण और उन्नत विनिर्माण में देश के नेतृत्व को दर्शाना है। बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी विनिर्माण उपकरण प्रदर्शनी 'एक्सकॉन 2025' का आयोजन नौ दिसंबर से 13 दिसंबर तक किया जाएगा। कार्यक्रम में मदर इंडिया फॉर्मिंग (एमआईएफ) 'प्रिसीजन शीट-मेटल कोल्ड-रोल फॉर्मिंग' में देश की बढ़ती क्षमता का प्रदर्शन करेगी। एमआईएफ के निदेशक धीरेंद्र सांखला ने कहा, 'शीट मेटल प्रिसीजन कोल्ड-रोल फॉर्मिंग' प्रौद्योगिकी भारतीय इंजीनियरिंग की ताकत को दर्शाती है।

## राजपाल यादव ने की प्रेमानंद महाराज से मुलाकात

वृंदावन/एजेन्सी

फिल्मों में अपनी मजेदार एक्टिंग से दर्शकों को हंसा-हंसाकर लोटपोट करने वाले एक्टर-कमीडियन राजपाल यादव संत प्रेमानंद महाराज को भी हंसाते दिखे। राजपाल यादव इन दिनों अपनी आध्यात्मिक यात्रा को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने हाल ही में वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर पोस्ट करते हुए उन्होंने फैंस को प्यारी सी झलक दिखाई। वृंदावन स्थित आश्रम पहुंचे राजपाल यादव महाराज जी के सामने हाथ जोड़े बैठे नजर आए। वीडियो में महाराज जब पूछते हैं कि कैसे हो? तो राजपाल ने हंसते हुए कहा, महाराज जी, मैं तो आते वक्त बहुत कुछ बोलने की तैयारी करके आया था, लेकिन आपके सामने आते ही सब भूल गया। अब कुछ समझ नहीं आ रहा कि बोलूं! यह सुनकर कमरे में मौजूद महाराज जी समेत सभी लोग खिलखिलाकर हंस पड़े। राजपाल अपने अनोखे अंदाज में बोले, महाराज जी, मुझे लगता है अभी द्वापर युग चल रहा है। भले ही ये पागलपन या गलतफहमी जैसा लगे, लेकिन मैं इसी में रहना चाहता हूं। कन्हैया भी हैं, सखा मंडल भी है और मैं मैं तो उस मंडल का मनसुखा हूं! यहां सब ग्वाला हुए हैं और मुझे लगता है मनसुखा मैं ही था। महाराज जी ठहाके मारकर हंसते दिखे।

यह बात सुनते ही प्रेमानंद जी महाराज मुस्कुराए और बड़े प्यार से बोले, जरूर! जो पूरे देश-दुनिया के चेहरे पर हंसी लाता है, वह मनसुखा तो जरूर है। तुम बहुत अच्छा काम कर रहे हो। बस नाम जपते रहो, राधे-राधे बोलते रहो। बता दें, मनसुखा, भगवान श्रीकृष्ण के मित्र थे, जिन्हें मधुमंगल भी कहा जाता है। वह बालसखाओं में से एक थे।

इसके बाद राजपाल यादव, प्रेमानंद महाराज को दो मंत्र सुनाते हैं जो उन्हें पूरा याद है। महाराज जी भी उन्हें नामजप करने को कहते हैं। राजपाल यादव कहते हैं कि उनका जीवन धन्य हो गया। फैंस इस वीडियो को खूब पसंद कर रहे हैं और कमेंट में लिख रहे हैं कि राजपाल की हंसी और महाराज जी का आशीर्वाद दोनों अनमोल हैं।

## यहां लोग बस आपको छोटा दिखाने की कोशिश करते हैं : ऋचा चड्ढा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री ऋचा चड्ढा अक्सर बेबाक और बिंदास अंदाज के लिए जानी जाती हैं, लेकिन अभिनेत्री का कहना है कि वे हमेशा से ही ऐसी नहीं थीं। उन्होंने मुंबई में आयोजित 15वें इंडियन फिल्म प्रोजेक्ट में अपने शुरुआती दिनों के बारे में बताया कि पहले वह बहुत डरपोक और समझौतावादी थीं। अभिनेत्री का कहना है कि आज भले ही लोग उन्हें आत्मविश्वासी और निडर कहते हैं, लेकिन पहले हालात बिल्कुल अलग थे। उन्होंने बताया, मैं हमेशा से इतनी निडर और बोल्ड नहीं थी। अपने शुरुआती दिनों में मैं बहुत सहनशील हुआ करती थी। एक दिन सेट पर खड़ी होकर मैंने खुद से पूछा, मैंने ये फिल्म कब साइन की? मैं यहां क्या कर रही हूं? ये आइटम नंबर क्यों कर रही हूं? उन्होंने एक किस्सा शेयर करते हुए बताया, एक डायरेक्टर ने मुझसे कहा कि मेल कोरियोग्राफर चाहिए और तुम्हें ऐसे-वैसे करने हैं। मैं अंदर से घबरा जाती थी कि ये लोग कौन हैं? मैं क्या कर रही हूं? मुझे समझ आया कि किसी लोकल मैनेजर ने थोड़े पैसे ले लिए होंगे और मुझे लगा होगा कि शायद यही करना चाहिए। यही इंडस्ट्री का तरीका है।

अभिनेत्री ने बताया कि इस बीच इंडस्ट्री में लोग मुझे मेरे लुक्स को ठीक करने की सलाह देते थे। उन्होंने कहा, लोग कहते, होंठ ठीक करवा लो, चेहरा ठीक करवाओ, गाना शूट करने से पहले पानी मत पीना। मैं सब मान लेती थी।

मैंने अपने शरीर और दिमाग को बहुत तकलीफ दी। मैं खुद से कहती थी, मैं बेकार हूं, मैं अच्छी नहीं हूं। अभिनेत्री ने आखिर में कहा कि ये दुनिया है, यहां लोग बस आपको छोटा दिखाने की कोशिश करते हैं। हाल ही में अभिनेत्री ऋचा चड्ढा और अली फजल के प्रोडक्शन हाउस पुशिंग बटन्स स्टूडियोज में बनी फिल्म 'सीक्रेट्स ऑफ अ माउंटेन सर्पेंट' का 82वें वेनिस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में वर्ल्ड प्रीमियर हुआ था।

## 'द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली' का मजेदार ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा में पारिवारिक कहानियां हमेशा से दर्शकों के दिल के करीब रही हैं। बदलते समय के बावजूद, भारतीय घरों में मौजूद प्यार, उलझन, दखलअंदाजी और उम्मीदें आज भी उतनी ही मजबूत हैं। इसी जटिल रिश्तों को एक बार फिर निर्देशक अनुषा रिजवी बड़े पर्दे पर पेश करने जा रही हैं। वह एक नई कॉमेडी-ड्रामा 'द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली' लेकर आ रही हैं, जो आधुनिक परिवार की हलचल और भावनात्मक खींचतान को एक मजेदार कहानी के जरिए सामने रखती है। अनुषा रिजवी ने अपनी पहली फिल्म 'पीपली लाइव' से काफी लोकप्रियता हासिल की थी। इसमें उन्होंने भारतीय समाज की बारीकियों को चुटीले लेकिन गंभीर अंदाज में दिखाया था। फिल्म के बारे में बात करते हुए अनुषा रिजवी ने कहा, ''यह कहानी इस बारे में है कि हमारा परिवार हमें कैसे ढालता है। चाहे परिवार कितना भी झुंझलाहट भरा क्यों न लगे, उसकी मौजूदगी हमारी पहचान और हमारे फैसलों को गहराई से प्रभावित करती है।''

'द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसमें अभिनेत्री कृतिका कामरा 'बानी अहमद' का किरदार निभा रही हैं, जो घर की बड़ी बेटी है और प्रोफेशनल तौर पर एक लेखक है। उसे महज 12 घंटों के अंदर अपना एक अहम प्रोजेक्ट पूरा करना होता है, लेकिन उसी दिन उसके घर में ऐसा हंगामा मचता है कि उसका पूरा ध्यान हट जाता है।

परिवार के अलग-अलग लोग अपनी-अपनी समस्याएं लेकर उसके पास जाते हैं। यहां तक कि उसका एक्स ब्वॉयफ्रेंड भी उसी दिन उससे मिलने आता है, जिससे वह अपने प्राइवेट स्पेस के लिए जूझती नजर आती है।

कहानी दिखाती है कि कैसे एक दिन में ही बानी को परिवार, रिश्तों, और अपने भविष्य के बीच उलझना पड़ता है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि बानी के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा होता है कि वह यूएस में अपने करियर को आगे बढ़ाए या अपने परिवार के बीच रहकर वही जीवन चुने जिसे वह हमेशा निभाती आई है। अनुषा रिजवी ने कहा कि बानी की इस अफरातफरी भरी यात्रा में दर्शकों को यकीनन अपने घर की माएं, चाचियां, बहनें, या किसी ऐसे खास रिश्तेदार की याद जरूर आएगी, जो हमेशा गलत समय पर आता है, लेकिन वह दिल का साफ होता है। वहीं, अभिनेत्री शीबा चड्ढा का कहना है कि इस फिल्म की खासियत इसका सिंगल-लोकेशन सेटअप है; पूरा ड्रामा बानी के घर की चार दीवारों में ही घटता है। यही सीमित जगह कहानी को और अधिक नजदीकी, असली और मनोरंजक बनाती है।

'द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली' दर्शकों को एक साथ हसाएगी, चौंकाएगी और भावुक भी करेगी। फिल्म में कृतिका कामरा के साथ पूरब कोहली, फरीदा जलाल, श्रेया धनवंतरी, जूही बब्बर, शीबा चड्ढा, डॉली आहलूवालिया, नताशा रस्तोगी और निशांक वर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 'द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली' 12 दिसंबर को जियोहॉटस्टार पर रिलीज होगी।

## भावनाओं तक पहुँच पाना एक्टर के अस्तित्व के लिए विकल्प नहीं, ज़रूरत है : कुब्रा सैत

मुंबई/एजेन्सी

कुब्रा सैत हमेशा उस अंदरूनी दुनिया के बारे में बेबाकी से बात करती हैं, जो उनके अभिनय को आकार देती है। अपनी कच्ची, सच्ची परफॉर्मेंसेज़ और जटिल किरदारों में पूरा ढल जाने की क्षमता के लिए जानी जाने वाली कुब्रा अक्सर उस भावनात्मक अनुशासन पर बात करती हैं, जिसकी मांग एक्टिंग करती है। इस व्यक्तिगत अनुभव में, वह उस पल को याद करती हैं जब उन्होंने सच में समझा कि अपनी जिम्मेदारी के साथ, साहस के साथ, और पूरी सजगता के साथ भावनाओं तक पहुँचना क्या होता है। उनके सफर की शुरुआत में मिली यह सीख आज भी यह उन्हें स्क्रीन के साथ जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। इस सिलसिले में अपनी बात रखते हुए वे कहती हैं, एक्टर के तौर पर मैंने सीखा कि अगर आप अपनी भावनाओं तक पहुँचने के लिए तैयार नहीं हैं, तो आप एक्टर बन ही नहीं सकते। हालांकि यह भी हो सकता है कि उन भावनाओं तक पहुँचने के लिए जो रास्ता आप अपनाते हैं, वह बहुत खतरनाक हो, लेकिन आपको आगे बढ़ना ही होगा। मुझे याद है, मैंने यह बात अपने एक डायरेक्टर अनुराग कश्यप से सीखी। पहली बार मुझे कैमरे पर रोना था, और मुझे नहीं पता था कि मैं ये कैसे करूँगी। यह डर मेरे दिमाग में घर कर चुका था, तभी उन्होंने मेरी तरफ देखा और कहा, 'हम यहाँ बैठेंगे, लाइनें पढ़ेंगे और बस खुद के साथ रहेंगे। हम तुम्हारे अंदर की उस खिड़की को खोलेंगे, ताकि भावनाएँ भीतर आ सकें। और आज रात जाने से पहले हम उस खिड़की को फिर बंद भी करेंगे।' यह बात मेरे भीतर बस गई। हम सभी के भीतर वह खिड़की होती है, जो हमारी भावनाओं की दुनिया तक पहुँचने का एक रास्ता होती है। उसे खोलने और बंद करने की क्षमता ही हमें संतुलित रखती है और हमें ज़िंदा रखती है। हालांकि अभिनय के बाहर, असल ज़िंदगी में, दुनिया हमेशा इतनी माइंडफुल नहीं होती इसलिए कभी-कभी खिड़की की बजाय पूरी बाँध खुल जाती है और हमारी भावनाएँ हम पर हावी हो जाती हैं। आज की भागदौड़ भरी दुनिया में हम अक्सर अपने ही विचारों और अपने ही एक्सप्रेशंस में उलझ जाते हैं और हर चीज़ को 'ट्रिगर' कहने लगते हैं, जबकि कई बार हम बस चिढ़े हुए या परेशान होते हैं। यही ट्रिगर हमें हमारे अतीत में खींच ले जाता है, लेकिन चिढ़ और परेशानी वर्तमान की होती है। इस फर्क को समझते हुए मैंने अपने भीतर की उस खिड़की को पहचाना और इसीने मुझे एक एक्टर के तौर पर बचाया, एक इंसान के तौर पर मुझे ज़मीन से जोड़े रखा। सच पूछिए तो कुब्रा की यह बात याद दिलाती है कि भावनाओं तक पहुँच पाना सिर्फ एक कलात्मक कौशल नहीं, बल्कि एक मानवीय अनुभव है, जिसमें जिम्मेदारी चाहिए।

एक्टर सिर्फ किसी सीन के लिए भावनाएँ उधार नहीं लेते, वे सीखते हैं कि उन्हें वापस कैसे रखा जाए, उस खिड़की को कैसे बंद किया जाए जिसे उन्होंने खोला था। जहाँ भावनाएँ हमें या तो भारी कर दें या इसे एक गलत नाम दे दिया जाए, ऐसी दुनिया में उनका यह विचार एक कोमल-सा मार्गदर्शन बन जाता है, यह समझने के लिए कि क्या हमारे अतीत से आता है और क्या हमारे वर्तमान का हिस्सा है, और कैसे इन दोनों के बीच संतुलन बनाया जाए।

## पिता से कभी बहस मत करो : अनुपम खेर

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा के वरिष्ठ अभिनेता अनुपम खेर सोशल मीडिया पर अक्सर जीवन से जुड़े अपने अनुभवों और उनसे मिले सबक को जाहिर करते रहते हैं। मंगलवार को उन्होंने पिता-पुत्र के रिश्तों को लेकर बात की। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में अभिनेता ने बेटे और पिता के रिश्ते को उम्र के अलग-अलग पड़ावों में बहुत खूबसूरती से समझाया है। उन्होंने बताया कि बचपन से जवानी और फिर जीवन के आगे तक बेटे का अपने पिता को देखने का जो नजरिया है, वो बदलने लगता है। उन्होंने वीडियो में कहा, आज का शीर्षक है 'पिता से कभी भी बहस मत करो- 5 और 7 साल की उम्र में हमें लगता है कि पापा सब कुछ जानते हैं।

10 साल तक आते-आते हमें उन पर थोड़ा शक होने लगता है कि शायद उनको सब कुछ नहीं पता है। फिर, 14 साल की उम्र में लगता है कि पापा को तो कुछ भी नहीं पता है। 16 में हमें पापा बिल्कुल पागल लगते हैं। 18 साल में हम सोचते हैं, 'पापा कोई सही फैसला ही नहीं ले सकते।' उन्होंने आगे लिखा कि 25 में पापा की हर बात बकवास लगती है। 30 में पहली बार लगता है, 'शायद पापा कुछ बातें सही कहते थे, उनसे पूछना चाहिए।'

# इंडियन बैंक ने सीएसआर पहल के तहत सिलाई मशीनें वितरित कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई/दक्षिण भारत।** अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर इंडियन बैंक ने सीएसआर पहल के तहत समावेशन और सशक्तीकरण पर जोर दिया। बैंक की कार्यकारी निदेशक मिनी टीएम ने चेन्नई स्थित बैंक के कॉर्पोरेट कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सोसायटी फॉर राइट्स ऑफ ऑल वीमेन विद डिसएबिलिटीज़ की दिव्यांग महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित कीं।

कार्यक्रम में बैंक के शीर्ष प्रबंधन और वरिष्ठ अधिकारियों ने शिरकत की।

यह पहल का उद्देश्य दिव्यांग महिलाओं में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना और उन्हें सतत आजीविका के अवसर प्रदान करना है।

एसएफआरएडब्ल्यूडी दिव्यांग महिलाओं का एक संगठन है, जो शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता और रोजगार सहायता के माध्यम से अपनी सदस्याओं के उत्थान के लिए कार्य करता है। यह संस्था तमिलनाडु दिव्यांगजन संघों के महासंघ और वीमेंस इंडियन एसोसिएशन से संबद्ध है।

यह वर्तमान में चेन्नई के अल्वरपेट में एक समर्पित प्रशिक्षण केंद्र संचालित करती है, जहां दिव्यांग महिलाओं तथा दिव्यांग बच्चों की माताओं को व्यावसायिक कौशल प्रदान किए जाते हैं।

इंडियन बैंक का समर्थन एसएफआरएडब्ल्यूडी की प्रशिक्षुओं को अपने कौशल को बढ़ाने और आय-सृजन गतिविधियों को आगे बढ़ाने में सक्षम बनाएगा।

# पारस्परिक प्रेम व एकता के लिए गांठों को खोलना सीखें : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

## विभिन्न प्रवासियों ने किया मुमुक्षु लवेश सिंघवी का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत जैन भवन में उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी व साध्वीश्री सत्यप्रभाजी के सान्निध्य में प्रवासी राजस्थानी कर्नाटक संघ द्वारा मुमुक्षु लवेश सिंघवी का सम्मान किया गया। प्रवासी संघ के महामंत्री जवरीलाल लुनावत ने बताया कि नरेशमुनिजी के सान्निध्य में मुमुक्षु लवेश की जैन भागवती दीक्षा 25 जनवरी को बेंगलूरु में होगी, उसी संबंध में मुमुक्षु का सम्मान किया गया। पहली बार प्रवासी संघ के तत्वावधान में विभिन्न जैनेतर समाज के प्रतिनिधि संघों के सलाहकार भगतसिंह राजपुरोहित, जाट समाज के अध्यक्ष गणपतलाल, नवरत्नमल, संघ के संरक्षक डूंगरमल पारख, जयंतीलाल श्रीश्रीमाल, कांतिलाल गुलेच्छा, राजेश श्रीश्रीमाल, अजीत बागमार, आंजणा पटेल समाज के कलाराम पटेल, कुमावत समाज के अध्यक्ष माणकचंद, चंपालाल, संपतराज, मनोहरलाल आदि ने मुमुक्षु का सम्मान किया। इस मौके पर कलाराम पटेल ने संतों के प्रति आस्था प्रकट करते हुए खुशी ज़ाहिर की कि समय समय पर नरेशमुनिजी प्रवासी बंधुओं को सनातन धर्म की रक्षा एवं सेवा करने की प्रेरणा देकर हमें भी जोड़े रखने का कार्य कर रहे हैं जो कि अनुकरणीय है। पटेल ने बताया कि पांच माह पहले भी चातुर्मास के पहले नरेशमुनिजी के सान्निध्य में सर्व धर्म सम्मेलन हुआ था जिसमें विभिन्न जैनेतर समाज के लोगों ने मिलकर सामूहिक रूप से नरेश मुनिजी को चादर भेंट कर 'प्रवासी राजस्थानी सर्व समाज गौरव पद' से अलंकृत किया था। कुमावत समाज, जाट समाज सहित अनेक समाज के लोगों ने संतों व मुमुक्षु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

प्रवासी संघ के महामंत्री जवरीलाल लुनावत ने कहा कि जैन दीक्षा एक ऐसी पवित्र प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति सांसारिक सुख-सुविधाओं और पारिवारिक जीवन को त्यागकर एक तपस्वी जीवन जीने की प्रतिज्ञा लेता है। दीक्षा लेने वाला व्यक्ति जीवन भर पाँच महाव्रतों का पालन करता है। यह एक व्यक्तिगत और स्वेच्छा से लिया गया निर्णय होता है, जिसका अंतिम लक्ष्य मोक्ष या आत्म-कल्याण होता है।

मुनि शालिभद्रजी ने उपस्थित प्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि आम जीवन के तीन मंत्र 'कम खाओ,गम खाओ और नम जाओ' को अपने जीवन में अपनाने लेते हैं तो हम स्वास्थ्य को भी बेहतर बना सकते हैं व संघ, समाज,परिवार व दोस्ती में आपसी सामंजस्य स्थापित कर आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि नम्रता व विवेक के साथ रहने वाला व्यक्ति ही हर क्षेत्र मे आगे बढ़कर अपनी पहचान बना सकता है। उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने प्रवासी बंधुओं द्वारा की जा रही गुरु भक्ति की सराहना की व कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में पारस्परिक प्रेम व संगठन रखना है तो गांठें देना नहीं, मगर गांठों को खोलना सीखो, परिवार को तोड़ना नहीं, जोड़ना सीखो व समाज में सुसंगठित होकर आडंबर रहित कार्यो को आगे बढ़ाना सीखो। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म की संस्कृति व परंपरा को हमेशा जीवित रखना ही हम सभी का कर्तव्य है।शांतिनगर संघ के मंत्री छगनमल लुनावत ने सभी को धन्यवाद दिया।

# कराटे परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया

हुब्बली/दक्षिण भारत। एसजेआर वीपी मंडल के शांति निकेतन इंग्लिश मीडियम स्कूल, हुब्बली के विद्यार्थियों ने अस्पायर स्पोर्ट्स कराटे अकादमी गोजु र्यु कराटे-डो सकुरा-काई इंडिया के तत्वावधान में आयोजित कराटे परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया। मुख्य प्रशिक्षक शिहान शरणप्पा बम्मिगट्टी के मार्गदर्शन में कक्षा 5 और 6 के कुल 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इनमें से 19 विद्यार्थियों ने येलो बेल्ट प्राप्त की।

शांति निकेतन स्कूल के अध्यक्ष भंवरलाल सी. जैन ने येलो बेल्ट प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और बेल्ट प्रदान किए। इस अवसर पर विद्यालय के प्रशासक बसवराज शेट्टर तथा मुख्य प्रशिक्षक शिहान शरणप्पा बम्मिगट्टी मौजूद थे।

# माहेश्वरी महिला संगठन जरूरतमंद महिला गृहउद्यमियों का करेगा सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में 'गृह उद्योग-आत्मनिर्भरता की पहचान' कार्यक्रम का आयोजन आगामी 6 दिसंबर को दोपहर 2 बजे से ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में किया जा रहा है। इस आयोजन में गृह उद्योग जैसे मेकअप, घरेलू व्यंजन, बेकिंग, गिफ्ट हेम्पर, योग प्रशिक्षण व अन्य गृह आधारित उद्योगों के बारे में स्वयं गृहउद्यमियों द्वारा पूरी जानकारी दी जाएगी तथा संगठन की ओर से जरूरतमंद महिला उद्यमियों को सहयोग भी किया जाएगा।

अध्यक्ष श्वेता बियाणी ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं का सामाजिक व आर्थिक सशक्तिकरण है। सचिव निर्मला कांकाणी ने बताया कि इस आयोजन में लगभग 20 से अधिक चयनीत महिला उद्यमियों को सम्मानित भी किया जाएगा।

# समर्थ बनने से जीवन में सुख व शांति आती है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पार्श्व सुशील धाम से विहार कर होसूरु पहुंचकर विहार के दौरान सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक संप्रदायवर्ती साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि जैन संत का आशीर्वाद सुखी नहीं, समर्थ बनाता है।

दुनिया के सभी धर्मगुरुओं या बड़े लोग हमेशा सुखी रहने का आशीर्वाद देते हैं परंतु केवल जैन संत ही ऐसे होते हैं, चाहे वह किसी भी पंरपरा के हों, वह आशीर्वाद में 'दया पालो या धर्म लाभ' का आशीर्वाद देते हैं, क्योंकि वे आपको केवल सुखी नहीं अपितु समर्थ बनाना चाहते है, समर्थ बनने के बाद कोई दुःखी नहीं रहेगा। इन छोटे छोटे रहस्यों में हमारे कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। साध्वी शीतलगुणाजी ने कहा कि परमात्मा की पवित्र वाणी वर्तमान में हमारे लिए कल्पवृक्ष और चिंतामणि रत्न से बढ़कर है, पापी, भटकी हुई आत्माओं का कल्याण हुआ है। भौतिकवाद के अंधेरे में प्रभु वाणी यह दीप स्तंभ है। जिस प्रकार जीवन निर्माण में ऑक्सीजन से महत्वपूर्ण है, पानी से शरीर की शुद्धि होती है, वाणी से आत्मा पवित्र होती है उसी प्रकार कलयुग में प्रभु वाणी से बड़ा और कोई आलंबन नहीं है। प्रभु वाणी से संस्कारों का निर्माण होता है, संस्कृति का स्वाभिमान होता है और चरित्र का निर्माण होता है।

# अग्निवीरों ने परेड में दिखाया अनुशासन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मराठा लाइट इन्फेंट्री रेजिमेंटल सेंटर, बेलगावी ने बुधवार को अग्निवीरों के छठे बैच की अटेस्टेशन परेड आयोजित की। भव्य समारोह में 484 अग्निवीरों ने भाग लिया। इसका रिव्यू मेजर जनरल हरि भास्करन पिल्लई ने किया। उन्होंने सैनिकों के शानदार प्रदर्शन, अनुशासन और ड्रिल की तारीफ़ की। अग्निवीरों ने देशसेवा की शपथ ली। पवन यल्लाकुरी की कमांड में परेड हुई। अग्निवीर सूरज मोरे को सर्वश्रेष्ठ अग्निवीर के लिए नायक यशवंत घाडगे, वीसी मेडल मिला। समारोह का समापन शरकत युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुआ।

# राज भवन का नाम बदलकर 'लोक भवन' किया गया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। 'राज भवन', कर्नाटक का आधिकारिक नाम बदलकर अब 'लोक भवन' कर दिया गया है।

यह बदलाव भारत सरकार के गृह मंत्रालय की सूचना के अनुसार किया गया है। इसे कर्नाटक के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित किया गया है। अब सभी आधिकारिक अभिलेखों, पत्राचार और संदर्भों में नए नाम का उपयोग किया जाएगा।

# तमिलनाडु में प्राकृतिक खेती से प्रभावित हुए प्रधानमंत्री मोदी, किसानों से इसे अपनाने का आग्रह किया

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को देश के सभी किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने पर विचार करने का आह्वान किया और कहा कि इससे रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर बढ़ती निर्भरता जैसी कृषि से संबंधित कई चुनौतियों का समाधान हो सकता है। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों से मिट्टी की उर्वरता, नमी और दीर्घकालिक स्थिरता समेत कई पहलू प्रभावित होते हैं। मोदी ने 'लिंक्डइन' पर एक पोस्ट में कहा, मैंने किसानों को 'वन एकड़, वन सीजन' से शुरुआत करने के लिए प्रोत्साहित किया। छोटे भूखंड से मिले परिणाम भी आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं और व्यापक स्तर पर अपनाने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। मोदी ने लिखा कि उन्होंने 19 नवंबर को कोयंबटूर में दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती सम्मेलन 2025 में भाग लिया, जहां उन्हें किसानों के एक समूह ने आमंत्रित किया था।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह यह देखकर अभिभूत हो गए कि विविध पृष्ठभूमियों के लोग जैसे वैज्ञानिक, एफपीओ नेता, स्नातक की पढ़ाई करने वाले, पारंपरिक किसान और विशेष रूप से उच्च वेतन वाली कॉर्पोरेट नौकरियां छोड़ देने वाले लोग अपनी जड़ों की ओर लौटकर प्राकृतिक खेती को अपनाने का निर्णय ले चुके हैं। उन्होंने कहा, प्राकृतिक खेती, जैसा कि हम सभी जानते हैं, भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों और आधुनिक पारिस्थितिक सिद्धांतों से प्रेरित है, और बिना सिंथेटिक रसायनों के फसल उगाने पर केंद्रित है। यह विविधीकृत खेतों को बढ़ावा देती है, जहां पौधे, पेड़ और पशुधन प्राकृतिक जैव विविधता में मददगार साबित होते हैं।

# नेमोम विधानसभा सीट सील, भाजपा अब दोबारा नहीं जीत सकती: केरल मंत्री

तिरुवनंतपुरम। केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने बुधवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी नेमोम विधानसभा सीट अब दोबारा नहीं जीत पाएगी क्योंकि इस सीट पर उसके खाते को इस तरह से 'सील' कर दिया गया है कि उसे खोला नहीं जा सकता। यहां पत्रकारों से बात करते हुए मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता शिवनकुट्टी ने कहा कि भाजपा के लिए नेमोम में फिर से अपना खाता खोलना मुश्किल होगा। शिवनकुट्टी की यह टिप्पणी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर द्वारा नेमोम सीट से चुनाव लड़ने की घोषणा के एक दिन बाद आई है। चंद्रशेखर ने कहा था, मैं विधानसभा चुनाव लड़ूंगा। सौ प्रतिशत। मैं नेमोम निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ूंगा।

नेमोम केरल की एकमात्र विधानसभा सीट है जहां से भाजपा आज तक कभी जीत पायी है। पार्टी ने 2016 के विधानसभा चुनावों में इस सीट पर अपना खाता खोला था, जब पार्टी के वयोवृद्ध नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री ओ राजगोपाल 8,671 वोटों के अंतर से जीते थे। हालांकि, 2021 के विधानसभा चुनावों में भाजपा यह सीट हार गई थी, जब वरिष्ठ नेता और मिजोरम के पूर्व राज्यपाल कुम्मनम राजशेखरन को शिवनकुट्टी ने हरा दिया था। इसके बावजूद, नेमोम उन सीटों में से एक है जिस पर भाजपा आगामी चुनावों में सबसे अधिक उम्मीदें लगाए हुए है। चंद्रशेखर की टिप्पणियों के जवाब में शिवनकुट्टी ने कहा, इस सीट पर भाजपा का खाता इस तरह से बंद कर दिया गया है कि अब वह खोला नहीं जा सकता।

# जन्मभूमि और कर्मभूमि का सम्मान बहुत जरूरी है: सुरेंद्र गोयल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु कुमावत समाज की विभिन्न संस्थाओं ने यहां राजस्थान के पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेंद्र गोयल का भव्य स्वागत किया। गोयल ने कहा कि एक-दूसरे का सहयोग करते रहें। साथ ही, राजस्थानी संस्कृति और शिक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जन्मभूमि और कर्मभूमि, दोनों का सम्मान बहुत जरूरी है। अपनी जन्मभूमि को कभी न भूलें।

## अवार्ड

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन (दाएं) बुधवार को मॉस्को रूस में सिविल पार्टिसिपेशन के एक इंटरनेशनल फोरम वी आर टुगेदर में अन्ना प्लुझनिकोवा को वॉलंटियर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड देते हुए।

## शिक्षण सामग्री वितरित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुवर्ण बडावणे बेंगलूरु में क्षेत्र के निवासियों द्वारा आयोजित नाडहब्बा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर ध्वजारोहण किया। उन्होंने बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की। मुणोत ने कहा, 'हमें अपनी भाषा एवं संस्कृति पर गर्व है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.